●वर्ष : 16 ●अंक : 110 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 08 अगस्त 2024

भारत के लिए सिरदर्द बनेगा जमात-ए-इस्लामी ?

बांग्लादेश में गठित होने वाली अंतरिम सरकार पर है नजर

» भारत को सता रही इस बात की चिंता

भारत की असली चिंता यूनुस के नेतृत्व में गठित होने वाली अंतरिम सरकार के दूसरे सदस्यों को लेकर है। वैसे इस बारे में बुधवार देर शाम तक खबर लिखे जाने तक कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन जो सूचनाएं ढाका से आ रही है उससे साफ है कि अंतरिम सरकार में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी की तरफ से इसमें बड़ी हिस्सेदारी लेने की कोशिश हो रही है।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को भारत से भी शिकायत है और उन्होंने अपने देश में लोकतंत्र का दमन करने के लिए पूर्व पीएम शेख हसीना के साथ ही भारत को भी जिम्मेदार ठहराया है। भारत को इससे खास चिंता नहीं है।

» इस मामले में भारत पर निर्भर है बांग्लादेश

इसके बावजूद भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी यह मानते हैं कि आज बांग्लादेश के आम जन-जीवन में जो स्थान भारत का है, उसकी भरपाई दूसरा कोई देश नहीं कर सकता। एक उदाहरण, चीनी, चावल, गेहूं, आलू, प्याज जैसे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में दिया जा सकता है। इन आवश्यक खाद्य उत्पादों की आपूर्ति में

» भारत करीब से रख रहा बांग्लादेश की स्थिति पर नजर

कुछ बाहरी विशेषज्ञों को भी शामिल किया जा सकता है लेकिन आवामी लीग को इसमें प्रतिनिधित्व मिलने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में भारत बांग्लादेश के पूरे हालात पर काफी सतर्क निगाह बनाये हुए है। दैनिक जागरण ने इस विषय पर सत्ता से जुड़े लोगों से बात की। नीति निर्धारण से जुड़े इन लोगों को भरोसा है कि भविष्य में बांग्लादेश में किसी भी पार्टी की सरकार आये, वह भारत के साथ हसीना कार्यकाल जैसे संबंध बने न बने लेकिन संबंध ठीक रखने की कोशिश जरूर होगी। इसके पीछे यह कुछ ठोस वजहें भी बताते हैं।

बांग्लादेश काफी हद तक आयात पर निर्भर है और आयात का बड़ा हिस्सा भारत से होता है।

» प्रतिबंधित के बाद भी भारत करता रहा गेहूं का निर्यात

वर्ष 2022-23 में बांग्लादेश ने सबसे ज्यादा चावल भारत से 1.12 अरब डॉलर और 1.5 अरब डॉलर का गेहूं आयात किया था। दूसरा सबसे बड़ा आयात म्यांमार से किया था लेकिन वह भारत के मुकाबले बहुत ही कम था। भारत ने पहले जब अंदरुनी वजहों से गेहूं और प्याज के निर्यात को प्रतिबंधित किया था तब भी विशेष हालात में बांग्लादेश को इन उत्पादों की आपूर्ति की थी। यह पूर्व पीएम शेख हसीना के अनुरोध की वजह से हुआ था। यही नहीं भारत की मदद से निर्मित मैत्री पाइपलाइन बांग्लादेश को डीजल आपूर्ति का एक प्रमुख जरिया है तो वहां की कुल बिजली खपत का तकरीबन 15 फीसद बिजली भारत से भेजा जा रहा है। वर्ष 23 में 4.49 लाख बांग्लादेशियों ने भारत में इलाज करवाया है जो एक वर्ष पहले

» हिंदू धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमले

भारत ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन जिस तरह से सरकार गठन के परामर्श में जमात ए-इस्लामी और बीएनपी सक्रिय है वह कुछ चिंता जरूर पैदा कर रहा है। खास तौर पर जमाते-इस्लामी का रवैया हमेशा से भारत विरोधी रहा है। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद जिस तरह से हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमले हुए हैं उसमें भी जमात का हाथ ही हाथ है।

पिछले साल 4.49 लाख बांग्लादेशियों का भारत में हुआ इलाज

आज वैश्विक खाद्यान्न बाजार में गेहूं, चावल की कीमतें बहुत ज्यादा है। महंगा खाद्यान आयात करने की वजह से बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार आज घट कर 16 अरब डॉलर के भी नीचे आ गया है जो एक वर्ष पहले 24-25 अरब डॉलर था।

के मुकाबले 48 फीसद ज्यादा है। कुछ अधिकारियों का यह भी कहना है कि शेख हसीना की विदाई के बाद जो हालात बने हैं उसमें यूनुस का अंतरिम सरकार का मुखिया बनना एक सकारात्मक कदम है। सबसे बड़ी वजह यह है कि वह विकास कार्यों को पसंद करने वाले और धर्मनिरपेक्ष नीतियों का समर्थन करने वाले हैं। यह भारत-बांग्लादेश रिश्तों के लिए भी अच्छी खबर है। भारत ने विगत एक दशक में बांग्लादेश में ढांचागत परियोजनाओं के लिए आठ अरब डॉलर की मदद दी है। इनमें से कई परियोजनाओं का काम अभी जारी है। इनमें से कई परियोजनाओं बांग्लादेश के औद्योगिक विकास के लिए जरूरी हैं।

» बांग्लादेश में शांति बहाली पर जोर

आवश्यक वस्तुओं, बिजली, ईंधन आदि की जैसी आपूर्ति आज भारत कर रहा है वैसा दुनिया का कोई देश बांग्लादेश को नहीं कर सकता। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि, 'अभी ढाका की स्थिति स्थिर नहीं है। बहुत कुछ भविष्य के गर्भ में है। ऐसे में हम इंतजार करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते। भारत निश्चित तौर पर चाहता है कि वहां हिंसा खत्म हो, अल्पसंख्यकों व उनके धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमले खत्म हो और वहां शांति बहाली हो। जब वहां सामान्य तौर पर सरकार काम करने लगेगी तभी आगे कोई और बातचीत होगी।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें। 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY

MOBILE NO. 9911371802

EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

विनेश फोगाट मामले पर खेल मंत्री ने दिया बयान

वित्त मंत्री का भी हुआ संबोधन

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र चल रहा है। केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाने के बाद इसी सत्र के दौरान मोदी सरकार ने बजट पेश किया था। उस बजट पर लगातार चर्चा जारी है। इन सबके बीच संसद में आज ओलंपिक से भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के अयोग्य होने को लेकर भी सांसदों ने सवाल की जिसके बाद खेल मंत्री ने इसका जवाब दिया। राज्यसभा में करतारपुर साहिब गलियारा के तर्ज पर ननकाना साहिब गलियारा विकसित करने की भी मांग उठी। वहीं, राहुल गांधी ने वायानाड त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की। इन सबके बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब भी दिया।

» लोकसभा की कार्यवाही

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में कहा कि करों में भारी वृद्धि किए बिना, हम सरलीकृत कराधान व्यवस्था लेकर आए हैं और अनुपालन आसान किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत बजट में विभिन्न कर प्रस्तावों से मध्यम वर्ग को लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि पंद्रह लाख रुपये की वार्षिक आय पर प्रभावी कर 2023 में घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है और नई आयकर व्यवस्था के तहत इस साल भी इसे और कम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि मध्यम वर्ग को शेयर बाजार में निवेश करने में मदद के लिए एलटीसीजी कर छूट सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये किया गया।
- सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलम्पिक में पहलवान विनेश फोगाट के प्रतियोगिता से बाहर होने के मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को जरूरी कार्रवाई के लिए कहा है। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने विनेश फोगाट के मामले में सदन में दिये बयान में कहा कि आईओए की प्रमुख पीटी उषा पेरिस में ही हैं और प्रधानमंत्री ने उनसे खुद बात की है। मांडविया ने कहा कि विनेश का

वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक पाया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध भी दर्ज कराया है।
- तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, लेकिन इसका लाभ भारत की गरीब जनता को नहीं मिल रहा। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि करदाताओं पर कर का बोझ कम हो। उन्होंने कहा कि कराधान या कर के ढांचे में पारदर्शिता हो, सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है।
- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गत 30 जुलाई को केरल के वायनाड में भूस्खलन के बाद आई आपदा का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया और केंद्र सरकार से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाने तथा समग्र पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की मांग की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए यह भी कहा कि वायनाड में यह देखना सुखद था कि पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न विचारधारा और समुदायों के लोग आगे आए।
- केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि देश में अभी 200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है, जबकि 430 गीगावाट उत्पादन की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

» राज्यसभा की कार्यवाही

- राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को सरकार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटाए जाने का आरोप लगाया और सरकार से इस मामले में स्पष्टीकरण की मांग की हालांकि, सरकार ने उनके आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो विषय उठाया उसमें कोई तथ्य नहीं हैं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, अभी सात कक्षाओं की किताब आई है। पहले प्रस्तावना हुआ करती थी इनमें, जिसके बारे में नेता प्रतिपक्ष जिक्र कर रहे थे। अभी तक जो नयी पाठ्य पुस्तक आयी हैं कक्षा छह की, उसमें भी प्रस्तावना है। न केवल प्रस्तावना बल्कि उसके साथ मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, राष्ट्रगान...ये भी संविधान की प्रस्तावना और उसके मूल्यों का प्रतिनिधितव करते हैं। इन सारे विषयों को रखा गया और वह जो विषय रख रहे थे उसमें तथ्य नहीं था।
- सरकार पर बजट में निम्न और मध्यम वर्ग की पूरी तरह उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि उसके कार्यकाल में न तो आमदनी बढ़ी और न ही मजदूरी बढ़ी बल्कि केवल अमीर लोग ही और अधिक अमीर होते गए। उच्च सदन में विनियोग (संख्यांक दो) विधेयक 2024 और जम्मू कश्मीर विनियोग (संख्यांक तीन) विधेयक 2024 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस बजट में संविधान का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इस सरकार के कार्यकाल में अमीर वर्ग और अधिक अमीर हुआ जबकि गरीब वर्ग और अधिक गरीब हुआ है।

हरियाणा मेंउज्वला योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को अब 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा: सैनी

नूना न्यूज एजेंसी

जींद (हरियाणा)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को अब 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। सैनी ने यह घोषणा राज्य में कुछ महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले और हरियाली तीज के मौके पर की। उन्होंने यहां जींद में आयोजित राज्य-स्तरीय तीज उत्सव में कहा, प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को अब 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इससे प्रदेश के 1.80 लाख रुपये से कम आय वाले लगभग 46 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा। सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध उपहार योजना के तहत अब स्कूलों में पढ़ने वाली 14 से 18 वर्ष की लड़कियों में कुपोषण को रोकने के लिए उन्हें भी 150 दिन फोर्टिफाइड (अतिरिक्त पोषण-युक्त) दूध दिया जाएगा, जिससे 2.65 लाख किशोरियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए दी जाने वाली तीन लाख रुपये की ऋण राशि को बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को दैनिक जरूरतों के लिए दिए जाने वाले 20 हजार रुपये के रिवॉल्विंग फंड की राशि को भी बढ़ाकर 30 हजार रुपये किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने समूह सखी के मासिक मानदेय को भी 150 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये करने की घोषणा की। सैनी ने समारोह में स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों को सशक्त करने की दिशा में 100 करोड़ रुपये के ब्याज रहित ऋण भी प्रदान किये। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में स्वयं सहायता समूहों को 490 करोड़ रुपये की राशि के ऋण उपलब्ध करवाये जाने का लक्ष्य है।

राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाया वायनाड भूस्खलन का मुद्दा

केंद्र से राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में एक संबोधन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के पीड़ितों के लिए मुआवजा बढ़ाने का आह्वान किया। गांधी ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले अपनी बहन के साथ वायनाड का दौरा किया और इस त्रासदी से उत्पन्न दर्द और पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से देखा। 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है और कई अभी भी लापता हैं। आपदा के पैमाने पर जोर देते हुए, गांधी ने केंद्र सरकार से वायनाड के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज लागू करने का आग्रह किया, जिसमें आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे और सामुदायिक सहायता पर ध्यान केंद्रित किया जाए। राहुल गांधी ने वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की भी मांग की। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। मैं केंद्र सरकार से वायनाड के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज का समर्थन करने का आग्रह करूंगा जिसमें आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण और समुदायों की मदद करना शामिल है। मैं सरकार से वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का भी आग्रह करना चाहूंगा। इसके अलावा, राहुल गांधी ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग और कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों की सराहना की। इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एके एंटनी ने गांधी की भावनाओं को दोहराया। मुख्यमंत्री राहत कोष में 50,000 रुपये का योगदान देने के बाद, एके एंटनी ने केंद्र सरकार से भूस्खलन से प्रभावित लोगों को पर्याप्त वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता देने का आग्रह किया। एंटनी ने एकता और समर्थन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "यह झगड़ने का समय नहीं है।" इस बीच, केरल के सामान्य शिक्षा और श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने घोषणा की कि वायनाड के भूस्खलन प्रभावित इलाकों के स्कूल, जो वर्तमान में राहत शिविरों के रूप में काम कर रहे हैं, जल्द ही कक्षाएं फिर से शुरू करेंगे।

पाकिस्तान ने राहुल गांधी को भेजा आम, बीजेपी ने पूछा- चूसने को इतना बेताब क्यों हैं कांग्रेस नेता

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत 7 भारतीय सांसदों को आम के कार्टन भेजे। एक कूटनीतिक संकेत के तौर पर, प्राप्तकताओं में एलओपी राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर, रामपुर से समाजवादी सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, इकरा हसन, एसपी सांसद जिया उर रहमान बर्ग, गाजीपुर सांसद अफजल अंसारी और एसपी सांसद शामिल थे। आम का उपयोग लंबे समय से डिप्लोमैटिक टूल के रूप में किया जाता रहा है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सत्ता संभालने के बाद से लगभग हर साल अपने भारतीय समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम भेजती रही हैं। इसके अलावा, वह पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी आम भेज चुकी हैं। विदेश मंत्रालय की फाइलों से पता चलता है कि भारत-चीन युद्ध से पहले, 1950 के दशक में भी भारत ने चीन के साथ इस तरह की कूटनीति अपनाई थी। पाकिस्तान से आम भेजे जाने पर बीजेपी की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी नेता प्रेम शुक्ला ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान के प्रायोजन से बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है। दूसरी तरफ राहुल गांधी और उनके साथियों को पाकिस्तान आम भेज रहा है। बीजेपी नेता ने कहा कि पाकिस्तान का आम चूसने के लिए राहुल गांधी इतने बेताब क्यों है? पाकिस्तान राहुल से इतना प्रेम क्यों दिखा रहा है। जो पाकिस्तान भारत के विरूद्ध पूरी दुनिया में कार्यवाही करता है। स्वयं हसीना के बेटे कह रहे हैं कि आईएसआई ने भारत विरोधी हमले कराए हैं। उस भारत द्रोही पाकिस्तान से आम लेकर राहुल इतने प्रसन्न क्यों हैं।

नकली नोट मामला, दिल्ली एचसी ने 'तस्कर' को जमानत देने से इनकार कर दिया

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। उच्च न्यायालय ने बुधवार को देश में उच्च गुणवत्ता वाली नकली भारतीय मुद्रा और सोने की तस्करी की कथित साजिश से संबंधित एक मामले में एक संदिग्ध तस्कर को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि नकली मुद्रा का प्रचलन देश की आर्थिक सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव डाल सकता है, और ऐसे नेटवर्क का प्रवेश जांच एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है। अब्दुल वाहिद की जमानत याचिका खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर अपील को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति प्रथिबा एम सिंह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य प्रथम दृष्टया "उच्च गुणवत्ता वाली नकली भारतीय मुद्रा के प्रसार को सुविधाजनक बनाने" में उनकी संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। वाहिद को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 4 मार्च, 2022 को गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत एक मामले में गिरफ्तार किया था। नकली मुद्रा का प्रचलन देश की आर्थिक सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, और इस तरह के प्रचलन से अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। जो व्यक्ति नकली मुद्रा के प्रचलन में शामिल हो सकते हैं, वे कई बैक-चैनल नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं, जो पूरे देश में फैले हुए हैं। वे संचार के सामान्य चैनलों का उपयोग न करें और नकली मुद्रा को आम तौर पर बेहद गुप्त तरीके से बाजार में पेश किया जाता है। नकली मुद्रा से संबंधित नेटवर्क की पहुंच जांच एजेंसी के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा कर सकती है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा से दक्षिण एशिया में हलचल, 440 मरे, हजारों घायल, शेख हसीना का अज्ञातवास।

डॉ. समरेन्द्र पाठक
वरिष्ठ पत्रकार।

ढाका /नयी दिल्ली, 7 अगस्त 2024 (एजेंसी)। आरक्षण को लेकर बांग्लादेश देश में पिछले तीन सप्ताह से जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा हिंसा की घटनाओं में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों एवं उसके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने की खबर है। अभी तक 440 लोग मारे गए हैं,तथा हजारों की संख्या में घायल हुए हैं। इन घटनाओं के मद्देनजर भारत, नेपाल एवं पाकिस्तान सहित दक्षिण एशियाई देशों में हलचल तेज हो गयी है। भारत सरकार ने कल संसद में सम्पूर्ण घटनाओं की जानकारी दी। इस मसले पर सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने एकजुट रहने की प्रतिबद्धता जतायी। भारत का लगभग साढ़े 4 हजार किलोमीटर से अधिक भूभाग बांग्लादेश से जुड़ा है। बांग्लादेश में आजादी के सेनानियों के परिजनों को 30 प्रतिशत आरक्षण दी जा रही थी,जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 5 प्रतिशत किए जाने का निर्णय दिया है। उधर बांग्लादेश की सेना स्थिति पर काबू पाने की कोशिश कर रही है, मगर उत्तेजित लोगों का विरोध राजधानी ढाका एवं अन्य प्रमुख शहरों में जारी है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद विभिन्न हिंसक घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हुई हुयी है। इस बीच शेख हसीना के भारत में किसी सुरक्षित स्थान पर टिकने की खबर है। वह शीघ्र ही अन्य देश का रुख करने वाली हैं। उधर राष्ट्रपति ने अंतरिम सरकार के सुचारू होने की कोशिशें तेज कर दी है।

बीकानेर हाउस में आयोजित साप्ताहिक तीजोत्सव

लहरिया परिधानों में महिलाओं ने लिया तीजोत्सव का आनंद

मेंहदी, लहरिया पोशाक और तीज की सवारी रही आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। 7 अगस्त, 2024 नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में 4 अगस्त से 11 अगस्त तक चलने वाले साप्ताहिक उत्सव के चौथे दिन आज बुधवार को पूरा बीकानेर हाउस प्रांगण तीज के रंगों से सराबोर रहा। साज सज्जा, रंगारंग कार्यक्रम, रंग बिरंगी पोशाके, हैंडीक्राफ्ट्स ने अपने अद्भुत प्रदर्शनी से पूरे बीकानेर हाउस को तीजमय कर दिया। इस अवसर पर राजस्थान की अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने बताया कि श्रावण महीने में मनाया जाने वाला यह उत्सव अपने अंदर राजस्थानी कला एवं संस्कृति की अमिट छाप संजोए हुए हैं और दिल्ली में बसे प्रवासी राजस्थानियों और निवासियों को राजस्थानी कला संस्कृति की झलक दिखाता है। इस उत्सव में राजस्थानी कला संस्कृति से जुड़े प्रत्येक पहलू का एक ही जगह संगम देखने को मिलता है जो राजस्थान को एक विशिष्ट पहचान दिलाता है। इस उत्सव में आज मेहंदी प्रतिस्पर्धा लहरिया थीम के साथ राजस्थानी पोशाक प्रतिस्पर्धा और तीज माता की भव्य यात्रा का आयोजन हुआ। तीज माता की शोभा यात्रा को पारंपरिक ढंग से पूजा अर्चना करके राजस्थानी रीति रिवाज के साथ निकाला गया। इस यात्रा में सभी आगंतुक भपंगा, जोगियासारंगी और रावनहत्ता की धुन पर लोक संगीत का आनंद लेते हुए राजस्थानी संस्कृति से सराबोर झूमते नाचते नजर आए। इस अवसर पर आयोजित मेहंदी और लहरिया पोशाक प्रतिस्पर्धा में क्रमशः कुल 17 और 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें मेहंदी प्रतिस्पर्धा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः कीर्ति, छोटू और नीलम को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार लहरिया पोशाक स्पर्धा में ममता सिंह, निशा राज और सुनीता को पुरस्कृत किया गया।

गुरूग्राम: युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी कगुटा मुसेवेनी और युगांडा की उपराष्ट्रपति मजेसिका अलुपो ने कैबिनेट ऊर्जा मंत्री रूथ सेसेंटामु नानकबीरवा, सांसदों और यूईटीसीएल के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में पीएमसी के रूप में पावरग्रिड के सहयोग से निर्मित नेब्बी और अरुआ सब-स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया।

हिमटेक्स 2024: अत्याधुनिक मशीन टूल्स और औद्योगिक इंजीनियरिंग का प्रदर्शन

नई दिल्ली, अगस्त : हैदराबाद उद्योग नवाचार और स्थिरता के एक महत्वपूर्ण अभिसरण के लिए तैयार है। 16 से 19 अगस्त, 2024 तक, हिमटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में हैदराबाद इंटरनेशनल मशीन टूल एंड इंजीनियरिंग एक्सपो (हिमटेक्स) के 8वें संस्करण, इंडिया प्रोसेस एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस (आईपीईसी) के तीसरे संस्करण और उद्घाटन इको सस्टेन एक्सपो का आयोजन होगा। हिमटेक्स 2024 में 300 से अधिक प्रदर्शक मशीन टूल्स, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और औद्योगिक इंजीनियरिंग में अत्याधुनिक प्रगति प्रस्तुत करेंगे। उपस्थित लोग विनिर्माण के भविष्य को आकार देने वाली प्रौद्योगिकियों और समाधानों का अन्वेषण करेंगे। हिमटेक्स के बिजनेस हेड श्रीकांत टी जी ने कहा, जैसे-जैसे कार्यक्रम की तारीखें नजदीक आ रही हैं, उत्साह तीव्र होता जा रहा है। हिमटेक्स, आईपीईसी और इको सस्टेन एक्सपो नवीनतम तकनीकी और टिकाऊ समाधानों की खोज के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे।

आईपीईसी प्रक्रिया उद्योगों में नवाचारों को उजागर करेगा, जबकि इको सस्टेन एक्सपो टिकाऊ प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित होगा। हिमटेक्स 2024 के परियोजना प्रमुख विनोथ शशिधरन ने इन आयोजनों को एक साथ रखने के लाभों पर प्रकाश डाला।

दिल्ली में आदि शंकराचार्य का स्वागत करते कांग्रेस नेता व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर हुड्डा।

देश के सतत परिवहन के लक्ष्यों में योगदान देने के उद्देश्य से जेंटारी गो ऐप लॉन्च हुआ

नई दिल्ली, अगस्त : क्लीन एनर्जी सॉल्यूशन ग्रुप जेंटारी के अंतर्गत आने वाली कंपनी जेंटारी ग्रीन मोबिलिटी इंडिया ने आधिकारिक तौर पर भारत में जेन्टारी गो ऐप लॉन्च कर दिया है। जेन्टारी गो को एक एकीकृत, ऑल-इन-वन ग्राहक अनुभव प्लेटफॉर्म के तौर पर डिजाइन किया गया है। ये प्लेटफॉर्म यूजर्स को घरेलू सौर से लेकर ग्रीन मोबिलिटी सॉल्युशंस तक क्लीन एनर्जी ऑफरिंग्स तक आसानी से पहुंचने में सक्षम बनाता है। प्रमुख हितधारकों, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में जेंटारी के रणनीतिक साझेदार न्यूमोसिटी, स्टैटिक और चार्जजोन भी एक साथ मौजूद रहे, जिनका सहयोग ऐप यूजर्स को जेंटारी गो के माध्यम से भारत भर में 1 5 सौ से अधिक चार्जर्स तक पहुंच प्रदान करने में मददगार होगा। जेंटारी के भारत में कंट्री हेड नवजीत गिल ने कहा, 'भारत जैसे देशों में नेट जीरो की स्थिति हासिल करने के लिए भागीदारों, ग्राहकों और सरकारों के साथ सहयोग करना हमारी प्राथमिकता है। क्लीन एनर्जी (स्वच्छ ऊर्जा) को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी महत्वपूर्ण है और जेंटारी हमारे अक्षय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी), हाइड्रोजन और ग्रीन मोबिलिटी बिजनेस में भागीदारी कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेंटारी गो ऐप का आज का लॉन्च और नई साझेदारियां इस प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।'

गुरुग्राम : जैव विविधता को बढ़ावा देकर स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम और हरित आवरण को बढ़ाना, आरएसपीएल वैल्फेयर फाऊंडेशन (आरएसपीएलडब्ल्यूएफ) – आरएसपीएल की सीएसआर शाखा ग्रुप ने गर्व से हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट को 100,000 से अधिक सीड बॉल सौंपे हैं। यह मील का पत्थर आरएसपीएलडब्ल्यूएफ की जैव विविधता को बहाल करने की पहल में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

डॉ. एस. जयशंकर को पत्र लिखकर बांग्लादेश के समक्ष यह मुद्दा उठाने को कहा

रवनीत सिंह बिट्टू ने विदेश मंत्री से बांग्लादेश में सिख गुरुद्वारों और मंदिरों की सुरक्षा की अपील की

नई दिल्ली, अगस्त : केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री ने आज बांग्लादेश में धार्मिक स्थलों पर हमलों पर चिंता व्यक्त की और ढाका में स्थित सिख धार्मिक स्थलों और देश में हिंदू मंदिरों की सुरक्षा की मांग की।

रवनीत बिट्टू ने विदेश मंत्री को एक आधिकारिक पत्र लिखते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश में सेना के अधिकारियों के समक्ष ढाका में स्थित दो ऐतिहासिक सिख धार्मिक स्थलों गुरुद्वारा नानक शाही और गुरुद्वारा संगत टोला की सुरक्षा का मुद्दा उठाएं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी और गुरु तेग बहादुर साहिब ने ढाका का दौरा किया था और उनकी याद में ये गुरुद्वारे बनाए गए थे।

बिट्टू ने कहा कि बांग्लादेश में सिखों की आबादी बहुत कम है और कुछ भारत विरोधी तत्व धार्मिक स्थलों पर उत्पात मचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय सिख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने बांग्लादेश और भारत में सिख समुदाय को आश्वासन दिया कि भारत सरकार सिख तीर्थस्थलों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगी।

दिल्ली में 15 अगस्त को कौन फहराएगा तिरंगा?

जेल में बंद केजरीवाल की एलजी को चिट्ठी

दिल्ली। के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद है। इसकी वजह से आम आदमी पार्टी के कामकाज के अलावा दिल्ली सरकार के कामकाज भी बाधित हो रहे हैं। वहीं, स्वतंत्रता दिवस भी आने वाला है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस की मौके पर अरविंद केजरीवाल की गैर मौजूद की में झंडा कौन फहराएगा? इसको लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। इसको लेकर केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक पत्र लिखा है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि केजरीवाल ने अपने पत्र में मंत्री आतिशी से 15 अगस्त को ध्वजारोहण समारोह के दौरान उनकी ओर से राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए कहा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या अरविंद केजरीवाल ने अपना नंबर दो चुन लिया है? आतिशी को मनीष सिसोदिया के इस्तीफा देने के बाद में मंत्री बनाया गया था। आतिशी के पास कई बड़े विभाग हैं। अरविंद केजरीवाल की गैर मौजूदगी में वह मीडिया में भी काफी सक्रिय रहती हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं अरविंद केजरीवाल ने इशारा ही इशारों में यह जरूर बताने की कोशिश की है कि दिल्ली का कामकाज अभी कौन देख रहा है और किसके पास उनकी गैर मौजूदगी में पावर है। हालांकि आगे चलकर इसको लेकर तरह-तरह के दावे जरूर होंगे। लेकिन फिलहाल के लिए यह तय माना जा सकता है कि दिल्ली सरकार में आतिशी का बोलबाला काफी है। यह घटनाक्रम दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया फैसले के बाद हुआ है जिसने उत्पाद शुल्क नीति मामले से संबंधित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने पुष्टि की कि गिरफ्तारी उचित कारणों से की गई थी। जहां केजरीवाल की जमानत अर्जी चर्चा का विषय बनी हुई है, वहीं कोर्ट ने उन्हें ट्रायल कोर्ट से और राहत लेने की सलाह दी है।

साहनी ने सोशल मीडिया पर चिंता व्यक्त की

नई दिल्ली, अगस्त : पंजाब से राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने जाति, पंथ और धर्म के आधार पर नफरत फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग पर एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए एक सशक्त भाषण दिया।

डॉ. साहनी ने सोशल मीडिया पर हानिकारक सामग्री के अनियंत्रित प्रसार पर गहरी चिंता व्यक्त की, उन्होंने असामाजिक तत्वों द्वारा इन प्लेटफार्मों का उपयोग अपमानजनक टिप्पणियों और द्वेष फैलाने के लिए करने पर प्रकाश डाला।

डॉ. साहनी ने कहा, लोग बिना किसी जवाबदेही के विभिन्न समुदायों के लिए अपमानजनक टिप्पणियां, नफरत फैलाने वाले बयान, उकसावे की बातें कर रहे हैं।

चाकू मार कर मोबाइल छीनने के दोषी को 10 साल कैद व 25000 रुपए जुर्माने की सजा

अगस्त : शहर के अपोलो रोड निवासी एक युवक को चाकू मार कर उसका मोबाइल छीनने के दोषी को अदालत ने 10 साल कैद व 25000 जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता अमित कुमार ने बताया कि 9 जनवरी 2019 को पुलिस को सूचना मिली थी कि दो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने एक लड़के को चाकू मार कर उसका मोबाइल छीना है जिस पर थाना शहर जींद की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कमल निवासी हकीकत नगर का ब्यान दर्ज किए। कमल ने अपने ब्यान में बताया कि वह दिल्ली से रेलगाड़ी में रात करीब 12.05 पर जीन्द रेलवे स्टेशन पर पहुंचा था। पैदल-पैदल अपने घर की तरफ जा रहा था तो एक मोटर साइकिल पर 2 लड़के पीछे से आ रहे थे उन्होंने महर्षि स्कूल के पास उसे पकड़ लिया और मोटर साइकिल पर पीछे बैठे लड़के ने चाकू निकाल कर मेरे ऊपर वार किया तो चाकू मेरे बायें हाथ पर लगा ओर उसने मेरा मोबाइल और बैग छिनने लगे तो मैंने बैग को छुपा दिया ओर आगे की तरफ भागने लगा तो थोड़ी दूरी पर एक मकान के आगे एक व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया, जिसे देख कर शोर मचाया तो दोनों लड़के मोटर साइकिल समेत भाग गए। थाना शहर जींद में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई।

कैनन इंडिया का स्किल डेवलपमेंट एंड लिवलिहुड प्रोग्राम, 2500 युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

- कंपनी ने दिल्ली और मुंबई में खोले नए स्किल सेंटर

नई दिल्ली, अगस्त : कैनन इंडिया ने आज कापसहेड़ा, दिल्ली और अंधेरी ईस्ट, मुंबई में दो नए स्किल सेंटर खोलने की घोषणा की है। यह पहल स्किल इंडिया मिशन के तहत शहरी झुग्गियों में रहने वाले 18 से 25 साल के युवाओं को जीवनोपयोगी और रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। स्किल डेवलपमेंट एंड लिवलिहुड प्रोग्राम का लक्ष्य पांच सालों में 2500 युवाओं को प्रशिक्षित करना है, विशेषकर वे युवा जो वर्तमान में शिक्षा, रोजगार, या प्रशिक्षण (एनईईटी) से जुड़े नहीं हैं।

इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को बीएफएसआई, रिटेल, आईटी ,आईटीईएस, ई-कॉमर्स, और क्विक सर्विस रेस्टोरैंट्स जैसे अत्यधिक मांग वाले क्षेत्रों के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त होंगे। तोशियाकी नोमुरा, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, कैनन इंडिया ने कहा, 'भारत की युवा आबादी राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। यह अभियान केवल प्रशिक्षण ही नहीं देता, बल्कि आशा, आत्मविश्वास और बड़े सपने देखने की क्षमता का विकास करता है।' इस नए स्किल सेंटर की स्थापना से युवाओं को एक सफल करियर बनाने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में मदद मिलेगी। 2.5 माह के इस विस्तृत प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इंग्लिश भाषा, आईटी का ज्ञान और आवश्यक जीवन-कौशल सिखाया जाएगा।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हुई बारिश, दिन में भी वर्षा की संभावना

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में बुधवार को सुबह बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से एक डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसने बताया कि राजधानी में आज दिन में बादल छाये रहने और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

साइंटिस्ट डॉ. एस कुमार ने बच्चों, पेरेंट्स और टीचर्स को बताएं हेल्दी रहने के टिप्स

नई दिल्ली, अगस्त : देश डायबिटीज को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए लवली पब्लिक स्कूल में हेल्थी लाइफस्टाइल और मैनेजिंग डायबिटीज को लेकर कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर जाने-माने साइंटिस्ट और डॉ. एस कुमार शामिल हुए। इस दौरान डॉ. एस कुमार ने डायबिटीज को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के साथ ही वहां मौजूद टीचर और अभिभावक के सवालों का भी जवाब दिया।

देश के चर्चित वैज्ञानिक डॉ. एस कुमार ने डायबिटिक को लेकर लोगों को आज तक कई सच नहीं पता है। देश में 90 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें डायबिटीज नहीं है। फिर भी उन्हें डॉक्टर्स ने डायबिटिक करार दे दिया है। ऐसे में देशभर में सेमिनार कर में लोगों के मन में डायबिटीज को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने का काम कर रहा हूं। जिनमें साइंटिफिक तरीके से डायबिटीज को कंट्रोल करने के साथ ही हेल्थ से जुड़ी सही जानकारी दी जाती है।

लवली पब्लिक स्कूल न्यू लायल पुर में भी इसी तरह का सेमिनार आयोजित हुआ। जिसमें हर उम्र के लोगों की दिनचर्या और डायबिटीज को लेकर चिंतन और मंथन किया गया।

सेमिनार में जानकारी देते गणमान्य।

विनेश को खून के आंसू रुलाने वाला सत्ता का पूरा तंत्र धराशाई: राहुल गांधी

दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पेरिस ओलंपिक में फाइनल में स्थान बनाने के लिए महिला पहलवान विनेश फोगाट को मंगलवार को बधाई दी और कहा कि आज भारत की बहादुर बेटी के सामने सत्ता का वो पूरा तंत्र धराशाई पड़ा था, जिसने उसे खून के आंसू रुलाए थे। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, एक ही दिन में दुनिया की तीन धुरंधर पहलवानों को हराने के बाद आज विनेश के साथ-साथ पूरा देश भावुक है। जिन्होंने भी विनेश और उसके साथियों के संघर्ष को झुठलाया, उनकी नीयत और काबिलियत तक पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए, उन सभी को जवाब मिल चुका है। उन्होंने कहा कि आज भारत की बहादुर बेटी के सामने सत्ता का वो पूरा तंत्र धराशाई पड़ा था जिसने उसे खून के आंसू रुलाए थे। कांग्रेस नेता ने कहा, चैम्पियंस की यही पहचान है, वो अपना जवाब मैदान से देते हैं। बहुत शुभकामनाएं विनेश। पेरिस में आपकी सफलता की गूंज, दिल्ली तक साफ सुनाई दे रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने विनेश के फाइनल में पहुंचने से पहले एक्स पर पोस्ट किया, शाबाश विनेश फोगाट। मैं जानती हूं कि आपके लिए यह सिर्फ ओ?लंपिक का कठिन मुकाबला भर नहीं है। आपने दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी को तो हराया ही, यह मैदान के भीतर और बाहर आपके संघर्षों की भी जीत है।

ई रिक्शा स्पेयर पार्ट्स की दुकान में 25 दिन में दोबारा हुई चोरी, पुलिस ने किया निरीक्षण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। ग्रामीण क्षेत्र सहित नगर में हुई चोरी पुलिस के लिए सर दर्द बनी हुई है इस समय चोरों के हौसले बुलंद हैं, बताते चले कि मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने नगर में ई रिक्शा स्पेयर पार्ट्स की दुकान की टीन की छत काट कर गल्ले में रखे 2500 एवं बेरिंग तार व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया, जिसकी जानकारी पीड़ित दुकानदार को सुबह दुकान खोलने पर हुई, पीड़ित ने बताया कि 25 दिन पूर्व भी उसकी दुकान में चोरी हो चुकी है बता ते चले की नगर के मोहल्ला लाल मस्जिद निवासी असलम खान ने नगर में दरगाह वाली मार्केट तिराहे पर बुलंद ई रिक्शा स्पेयर पार्ट्स के नाम से दुकान खोल रखी है, बीती रात वह दुकान बंद करके अपने घर को चले गए थे, वहीं मंगलवार की रात किसी समय चोरों ने पीड़ित की दुकान की छत पर चढ़कर टीन काटकर दुकान में घुसकर गल्ले में रखे 2500 एवं बेरिंग तार एवं कीमती सामान चोरी कर लिया, पीड़ित ने बताया कि 25 दिन पूर्व भी चोरों ने दुकान में चोरी को अंजाम दिया था उसे समय पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी लेकिन अबकी बार पीड़ित द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी गई है, इस संबंध में उप निरीक्षक राजकुमार मलिक ने बताया कि चोरी की जानकारी हुई है, और तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज करके मामले का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा, बताते चले कि एक सप्ताह पूर्व ग्राम मछरई में 14 लख रुपए की तीन घरों से चोरी हुई थी जिसका पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है, वही दूसरे दिन ग्राम बावनखेड़ी में लगभग 8 लाख की चोरी की घटना हुई थी जिसका भी पुलिस ने खुलासा नहीं किया है ,उधर सोमवार की रात को एक गांव में भी चोरों ने इलेक्ट्रॉनिक की दुकान से सामान चोरी कर लिया था इन घटनाओं का खुलासा अभी पुलिस द्वारा खुलासा नहीं हुआ है, यह एक घटना और सामने आ गई, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि जल्द ही चोरियों का खुलासा कर दिया जाएगा।

श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल द्वारा हरियाली तीज मेले का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को नगर में हरियाली तीज मेले का आयोजन नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट स्थित रामलीला मैदान में श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल द्वारा आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने फीता काटकर किया, मेले में सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने झूले एवं चाट पकौड़ी का आनंद लिया तथा खरीदारी भी की, हरियाली तीज मेला महिलाओं का मुख्य त्यौहार होता है जिसमें महिलाएं 16 सिंगार के साथ-साथ सावन की मल्हार पर झूला भी झूलती है जिसकी व्यवस्था श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल द्वारा इस बार भी सुंदर ढंग से नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट रामलीला मैदान में की गई, राधा कृष्ण सेवा मंडल द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी हरियाली तीज मेले का आयोजन बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया, कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों की काफी तादाद रही, मेले में लगे मिकी माउस एवं ड्रैगन नाऊ झूले का बच्चों एवं महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया, वही नगर पालिका द्वारा मेला स्थल एवं मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था के साथ चूने का छिड़काव भी कराया गया, उधर सुरक्षा की दृष्टि से वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार गोले, सब इंस्पेक्टर मोइन खान भारी पुलिस बल के साथ मेले में मौजूद रहे, मेला शाम 5 बजे से देर रात्रि तक चला, इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, देवेंद्र खड़कवंशी, अंकुर अग्रवाल तथा कार्यक्रम आयोजकों में मुख्य रूप से राजू प्रजापति, अंकुर प्रजापति, विपिन प्रजापति, राजीव शर्मा, बलवंत कुमार, संजीव शर्मा, शकुंतला देवी, सावित्री देवी, सुनीता शर्मा, पंडित पप्पू गिरी एवं योगेंद्र शर्मा मुख्य रूप से शामिल रहे।

एसपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल गजरौला में बच्चों ने उठाया मैंगो पार्टी का लुफ्त

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। बुधवार को नगर मे अहरौला तेजवन रोड रेलवे फाटक के निकट स्थित प्रगतिशील विद्यालय एसपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल में मैंगो पार्टी का आयोजन किया गया, विद्यालय में बुधवार को हुई इस मैंगो पार्टी में नन्हे मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के आमों का स्वाद लिया, वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्य किरण शर्मा ने बच्चों को आमों के विषय में विस्तार से बताया, मैंगो पार्टी में शामिल हुए बच्चों में से कुछ बच्चों ने मैंगो की फैंसी ड्रेस पहन कर विभिन्न बच्चों को अपनी और आकर्षित किया, मैंगो की फैंसी ड्रेस पहनकर विद्यालय में पहुंचे बच्चों को देखकर अन्य बच्चे काफी आकर्षित हुए, इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों का मनोबल बढ़ता है तथा सामान्य ज्ञान में भी वृद्धि होती है, प्रबंधक ने विद्यालय स्टाफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय का क्वालिफाइड स्टाफ बच्चों को उचित शिक्षा दे रहा है भविष्य में शिक्षकों की मेहनत से बच्चों का भविष्य उज्जवल बनेगा और विद्यालय भी

निरंतर प्रगति करेगा ऐसा उन्हें विश्वास है, मैंगो पार्टी का प्रबंधक विनोद कुमार एवं प्रधानाचार्य किरण शर्मा वह विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी बच्चों के साथ-साथ लुफ्त उठाया।

व्यापारी के परिजन बोले-हत्या का करो खुलासा

पुलिस 24 घंटे बाद भी नहीं कर पाई हत्या का खुलासा

चांदपुर

पशु व्यापारी की हत्या के मामले में परिजनों ने पुलिस से खुलासे की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हत्या करने में दो से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस 24 घंटे बीतने के बाद भी हत्या का खुलासा नहीं कर पाई। मृतक के भाई ने हत्या के मामले में दो नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मंगलवार की सुबह धनौरा मार्ग स्थित एक खाली प्लॉट में पशु व्यापारी नौगांव क्षेत्र के गांव बीलना निवासी नासिर पुत्र जाबिर का शव पड़ा मिला था। मृतक के भाई महताब ने अमरोहा नई बस्ती निवासी आदिल पुत्र रियाजुद्दीन नाजिम पुत्र अनवर व अन्य साथियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मृतक के परिजन व ग्रामीण निजामुद्दीन प्रधान सलमान जावेद मोहम्मद जाकिर मोहम्मद ताहिर फैसल रियाजुद्दीन अशरफ फुरकान मोहम्मद शाहिद लियाकत अली जुनैद बाबू फरमान अफजल मोहम्मद नौशाद नदीम आदि ग्रामीण थाने पहुंचकर नासिर के हत्यारे का खुलासा की मांग करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस 24 घंटे बीतने के बाद भी खुलासा नहीं कर पा रही है। उन्होंने बताया कि जो दो नामजद किए थे उनसे पुलिस कड़ाई से पूछताछ नहीं कर पा रही है। बताया कि दो से अन्य भी लोग साथ थे जो हत्या की है। पुलिस केवल आश्वासन ही दे पा रही है। ग्रामीण इकट्ठा होकर थाना प्रभारी निरीक्षक से हत्या का खुलासा करने की मांग की गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जब नासिर के पोस्टमार्टम के लिए भेजा था तो उन्होंने आश्वासन दिया था कि जल्द खुलासा किया जाएगा। थाने पहुंचे हैं तब भी पुलिस आश्वासन दे रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

थाने पर खड़े परिजन।

ब्लॉक के सामने से अतिक्रमण हटाने की मांग

कोतवाली देहात: कस्बे के मुख्य मार्ग पर दुकानों के सामने व विकास खंड कार्यालय के सामने हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग करते हुए एक शिकायती पत्र भाजपा कार्यकर्ता ने एसडीएम नगीना को सौंपा। क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ता रवि कुमार प्रजापति ने एसडीएम नगीना को मांग पत्र में कहा है कि ब्लॉक गेट के दोनों ओर ठेले व फड वालो ने दुकान लगाकर अतिक्रमण कर रखा है जिसके चलते पैदल आने जाने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को भी अतिक्रमण के चलते भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। मुख्य बाजार में नगीना बिजनौर मार्ग तथा नहटौर मार्ग पर अतिक्रमण के चलते हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। बीडीओ मनवीर सिंह का कहना है कि ब्लॉक के सामने अतिक्रमण के संबंध में एसडीएम नगीना को अवगत करा दिया गया। एसडीएम नगीना अवनीश त्यागी ने बताया कि उक्त प्रकरण में बीडीओ व थाना प्रभारी निरीक्षक को उचित कार्यवाही करने के आदेश दिए गए हैं शीघ्र ही अतिक्रमण हटाया जाएगा।

एच एस एस पब्लिक स्कूल में जूनियर वर्ग की साइंस प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय एच एस एस पब्लिक स्कूल में अंतर सदन जूनियर वर्ग की साइंस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 4 एवं कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया, विद्यालय के चारों सदनों नेहरू, शास्त्री, गांधी, विवेकानंद के छात्र-छात्राओं का चयन साइंस क्विज के लिए किया गया, जिसमें चार भागों में ऑडियो विजुअल, रैपिड राउंड बजर, राउंड एवं पिक्चर राउंड में छात्र-छात्राओं से प्रश्न पूछे गए, प्रतियोगिता में सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिसमें गांधी सदन प्रथम टैगोर सदन द्वितीय एवं शास्त्री सदन तृतीय स्थान पर रहा, प्रतियोगिता का आयोजन निरुपमा चौधरी, बुशरा एवं स्वाती द्वारा किया गया, कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण मोहन गुप्ता ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि विद्यालय में निरंतर खेलकूद की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ नियमित पाठ्यक्रम पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाता रहता है, इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक राजीव अग्रवाल एवं आशुतोष अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी, कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य अंकुर काशिव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा ।

अलग-अलग मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

नहटौर: महजबी पुत्री स्वर्गीय बुन्दू खा निवासी ग्राम मीमला मुस्तफाबाद के द्वारा एक माह पूर्व पुलिस को तहरीर देकर बताया गया कि उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट व जान से मारने की धमकी देते हुए इसराइल पुत्र मोहम्मद शहीद निवासी ग्राम पपसरा ने दुष्कर्म किया। इसमें इसराइल, मोहम्मद शादाब पुत्रगण शहीद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त मामले से संबंधित वांछित अभियुक्त इसराइल पुत्र मोहम्मद शहीद को पैजनिया रोड पर मानकपुर को जाने वाले रास्ते से पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जनपद में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना पुलिस द्वारा एक वारंटी दानिश पुत्र मुन्ना उर्फ सादिक मोहल्ला नेजो सराय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया विधि कार्रवाई की जा रही है।

नगीना की डूडा कॉलोनी पर अपात्रों का कब्जा

लाभार्थी आज भी आवासों से वंचित, अपात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए

नगीना

वर्ष 2005 में सरकारी जमीन पर डूडा विभाग द्वारा वाल्मीकि मलिन बस्ती योजना के अंतर्गत 52 आवासों की कालोनी का गरीब, असहाय मजदूरों आदि आवास विहीन लोगों के लिए कालोनी का निर्माण कराया गया था। लाभार्थियों ने आवासों को बेच दिया व किराए पर दे दिए हैं। इससे पात्र लाभार्थी आज भी सरकार के आवास से वंचित हैं।

वर्ष 2005 में नगर के मौहल्ला कायस्थ सराय स्थित धन की रेती हरेवली बूढवाला की चुंगी के पास नगर पालिका परिषद नगीना की खाली पड़ी जमीन पर पूर्व की सपा सरकार ने गरीब, बेसहारा, मजदूर गैर आवासीय व किराए के मकान में रहने वाले लोगों को उनको अपना आवास दिलाने के लिए पूर्व में रही प्रदेश सरकार ने डूडा विभाग बिजनौर द्वारा 52 आवासों की एक कालोनी का निर्माण कराया गया था। वर्ष 2007 में पूर्व में रही बसपा सरकार में डूडा विभाग के अधिकारियों द्वारा कालोनी के 52 आवासों को दलालों से मिलीभगत कर पूंजीपतियों जिनकी अपनी कोठी बंगले व अपने बड़े मकान, खेती बाड़ी की जमीनें व गांवों में भी उनके अपने मकान होते हुए भी फर्जी कागजात जमा करते हुए आवंटन करा लिया। आवासों के आवंटन की पूर्व में रही प्रदेश सरकार द्वारा लिखी शर्तों को ताक पर रखते हुए लाभार्थियों ने अपने आवासों को बेच दिया। आज भी पात्र लोग आवासों से वंचित हैं और किराए के मकानों में दर दर भटक रहे हैं। नगर के समाजसेवी डाक्टर संदीप शर्मा ने इस सम्बन्ध में सीएम व नगर निकाय मंत्री व कमिश्नर मुरादाबाद एवं डूडा, डीएम को अवगत कराया। मांग रखी कि कालोनी के लाभार्थियों के आवासों की जांच कराई जाए। अपात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

अवैध कब्जे की जांच करने पहुंची टीम

शेरकोट

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर विवादित भूमि की पैमाइश की। दूसरे पक्ष से भूमि स्वामित्व सम्बन्धी कागज मांगे। बता दें कि मोहल्ला काजी सराय स्थित एक भूमि पर रविवार को कुछ लोग निर्माण कर रहे थे। इस भूमि को ग्राम समाज की भूमि बताते हुए कुछ लोगों ने अधिशासी अधिकारी से शिकायत की थी। इस पर अधिशासी अधिकारी ने निर्माण कार्य रुकवा दिया था। इसी सम्बन्ध में राजस्व विभाग की टीम नायब तहसीलदार कपिल आजाद के नेतृत्व में सोमवार को मौके पर पहुँची और सम्बंधित भूमि की पैमाइश कर उसमें सम्मलित ग्राम समाज की भूमि चिन्हित कर निशान लगा दिया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी कृष्ण मुरारी,लेखपाल क्षत्रपाल सिंह, प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे।

22 को डीसीओ कार्यालय पर महापंचायत का ऐलान

बैठक को संबोधित करते युवा प्रदेश अधक्ष।

, बिजनौर

मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की बैठक बरूकी में संपन्न हुई। बैठक में बिलाई मिल पर बकाया गन्ना भुगतान की समस्या पर चर्चा हुई। और 22 अगस्त को डीसीओ कार्यालय पर महापंचायत करने कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष विकास चौधरी ने कहा कि बिलाई मिल द्वारा समय से भुगतान न मिलने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है। इस मे शासन प्रशासन किसानों की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। बैठक मे सभी कार्यकर्ताओं सहमती के बाद तय किया गया। बिलाई मिल पर बकाया गन्ना भुगतान की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी 22 अगस्त को डीसीओ कार्यालय पर महापंचायत करेगी। बैठक की अध्यक्षता मास्टर वेदपाल सिंह मलिक व संचालन सुशील चौधरी ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विकास उर्फ नूरी, देवेंद्र सिंह, पीतम सिंह, सत्येंद्र कुमार, राकेश कुमार, संजय सिंह, कल्याण सिंह, जागेश कुमार, राजीव त्यागी आदि रहे।

ग्रामीणों ने अवैध खनन के खिलाफ खोला मोर्चा

डीएम को शिकायती पत्र देकर की कार्रवाई की मांग

बिजनौर

शहर कोतवाली के गांव सालमाबाद के ग्रामीणों ने जंगल में हो रहे अवैध खनन के विरोध में मोर्चा खोल दिया। डीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। ग्राम सालमाबाद के जंगल से जय सिंह ग्राम मोमिनपुर दर्गो, आदित्य झालू थाना हल्दौर, पांच छह अज्ञात लोग अवैध खनन कर रहे है। आरोप लगाया कि ये गुंडा किस्म के लोग हैं। इन पर पहले से ही मुकदमे दर्ज हैं। जंगल से अवैध खनन को ग्रामीणों के मना करने के बाद भी नहीं माने तो ग्रामीणों ने 21 जुलाई को पुलिस को सूचना दी थी। इसमे पुलिस एक ट्रैक्टर ट्राली पकड़ कर थाने ले गई थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाने से ही छोड़ दिया था।

अवैध खनन कर रहे है और एक गाडी टैक्टर के आगे रखते है, जिसमे हथियारबंद लोग रहते हैं। जो लोग इन्हें रोकने की कोशिश करते है तो उन्हे हथियारों के दम पर डराते धमकाते हैं। सोमवार को शाम सात बजे जय सिंह सालमाबाद व गोपालपुर के जंगलों से अवैध खनन करा रहे थे। चार पांच टैक्टरों के आगे एक गाडी थी। इसमें चार पांच लोग हथियारों से लैस बैठे थे। खनन की ट्रैक्टर-ट्रॉली ग्राम सलमाबाद के बीच में आई तो ग्रामीणों ने रोकने की कोशिश की। हथियार बंद लोग उन्हे डरा धमकाकर रोकने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। इस पर ग्राम वासियों ने पुलिस को फोन कर दिया। एक अवैध टैक्टर ट्राली जो खनन कर आ रही थी उसे पुलिस वालों ने पकड़ लिया और थाने ले आए। इस पर जय सिंह आग बबूला हो गया और गांव वालों को जान से मारने की धमकी देने लगा। ग्रामीणों ने खनन माफिया से जान का खतरा बताया। ग्रामीणों ने डीएम से अवैध खनन को रोकने की मांग रखी और खनन माफिया के खिलाफ रिपोर्ट करने की मांग रखी। इस अवसर पर अवनीश कुमार, कल्याण सिंह, हेमेंद्र सिंह, जगन सिंह,नरदेव सिंह, कामेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह,विकास कुमार, भानु प्रताप सिंह, मुकेश सिंह, ओमपाल सिंह, हिमांशु कुमार, उत्तम कुमार, सर्वेश कुमार आदि मौजूद रहे।

क्षय रोग उन्मूलन के लिए कैंप लगाकर करें जांच: जिलाधिकारी

स्वस्थ हो चुके लोगों से फीडबैक भी लेना सुनिश्चित करें

बिजनौर

डीएम अंकित कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में क्षय रोग की रोकथाम से संबंधित प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। डीएम ने क्षय रोग की रोकथाम से संबंधित निर्धारित बैठक के प्रत्येक बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए उन्होंने क्षय रोग के उन्मूलन को लेकर निर्देश दिए की इसमें सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षय रोग उन्मूलन हेतु कैम्प लगाकर जांच करना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि पोषण पोटली वितरण शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें।

उन्होंने टीबी को जड़ से समाप्त करने के दृष्टिगत अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह तभी संभव है कि लोग जागरूक हों, हमें समुदाय को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की जरूरत है ताकि वह क्षयरोग के लक्षण दिखने पर स्वयं जांच के लिए आगे आयें। इस अवसर पर सीएमओ डॉ विजय कुमार गोयल सहित अन्य अपर चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे। उधर डीएम द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति के बैठक के प्रारंभ में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत बजट व फाइनेंशियल से संबंधित में एनएचएम और खर्चों की गहन समीक्षा की गई। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यों एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि धीमी प्रगति वाली योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न मदों के लिए उपलब्ध बजट मानक अनुरूप उसकी आवश्यक आवश्यकता के अनुरूप उपयोग करना सुनिश्चित करें यदि ऐसा सम्भव न हो तो सेरेंडर की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। डीएम द्वारा बैठक में फैमिली प्लैनिंग/चाइल्ड हेल्थ बजट व खर्चों, पीसीएसबी/ एनबीसीपी/एनयूएचएम में आवंटित बजट व खर्चों, जननी सुरक्षा योजना, डाटा फीडिंग,समिति व्यय रिपोर्ट, दवाओं एवं स्वास्थ्य उपकरण की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त स्वास्थ्य कार्यों के बिन्दुवार व्यय की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को निर्गत किए।

स्वास्थ्य अफसरों को क्षय रोग जांच के लिए जागरूक करते डीएम।

पंजाब

पंजाब ने राज्य मार्गों पर दो और टोल प्लाजा किए बंद

- मान सरकार ने अब तक 18 टोल प्लाजा बंद किए
- इन मार्गों पर यात्रा करने वालों को हो रही है रोजाना 61.67 लाख रुपए की बचत

चंडीगढ़/जालंधर, अगस्त : पंजाब के लोक निर्माण और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने आज यहां घोषणा की कि राज्य मार्ग पटियाला-नाभा-मालेरकोटला रोड पर स्थित दो टोल प्लाजा 5 अगस्त से तत्काल प्रभाव से बंद कर दिए गए हैं।

हरभजन सिंह ईटीओ

लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि पटियाला-नाभा-मालेरकोटला पर मोहराणा और कलियाण स्थित टोल प्लाजा पर रोड यूजर फीस की वसूली बीती रात को बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इन दोनों टोल प्लाजा से प्रति माह कुल 87 लाख रुपए प्राप्त होते थे।

उन्होंने कहा कि इन दो टोल प्लाजा के बंद होने से राज्यभर में बंद किए गए टोल प्लाजा की कुल संख्या 18 हो गई है, जिससे इन मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को रोजाना 61.67 लाख रुपए की बचत हो रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि करीब दो साल पहले सत्ता में आने के बाद पंजाब सरकार ने राज्य मार्गों के कुल 590 किलोमीटर से टोल को समाप्त कर दिया है।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की चेयरपर्सन सतबीर बेदी ने दिया इस्तीफा

मोहाली, अगस्त : पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की चेयरपर्सन और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सतबीर बेदी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के अनुसार उनकी ओर से निजी कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया गया है। गौरतलब है कि श्रीमति सतबीर बेदी की ओर से फरवरी साल 2023 में पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड का चेयपर्सन के तौर पर पद संभाला गया था। जानकारी के अनुसार सरकार की ओर से उनका इस्तीफा भी मंजूर कर लिया गया है और उनकी जगह पर शिक्षा विभाग के सचिव को चेयरमैन का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

सतबीर बेदी

समेज त्रासदी : कंगना रणौत ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा

मलबे से भरी सड़क से गुजरता कंगना रणौत।

मीनाक्षी (रामपुर बुशहर) अगस्त : शिमला जिले के तहत रामपुर के समेज गांव में आई त्रासदी को 5 दिन बीत गए हैं, लेकिन तबाही का मंजर ऐसा है कि किसी की भी रूह कांप जाए। बाढ़ प्रभावित इलाके में 6ठें दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मंडी से सांसद कंगना रणौत ने भी आज समेज का दौरा किया और बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। इस दौरान कंगना रनौत ने राहत पैकेज को लेकर कहा कि केंद्र सरकार आपदा में हिमाचल की पूरी मदद करती है, लेकिन लोगों को आगे राहत बांटने का काम सुक्खू सरकार का है। कंगना ने आगे कहा कि यह दिल दहला देने वाली त्रासदी है, जो कि हमारे हिमाचल के लोगों पर आई है, लेकिन मैं सभी लोगों को आश्वस्त करती हूं कि केंद्र की मोदी सरकार राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। कई लोगों ने अपना परिवार इस त्रासदी में खो दिया है। हम सभी लोगों को एकजुट होकर लोगों को कैसे राहत सामग्री पहुंचाई जाए, इस दिशा में कार्य करना होगा। लोग दहशत में हैं। लोग डर के माहौल में हैं। कंगना ने आगे कहा कि मैं केंद्र सरकार की तरफ से यहां आई हूं और मैं आपको भरोसा दिलाती हूं कि केंद्र की मोदी सरकार इस मुश्किल घड़ी में आपके साथ है। मैं आपको भरोसा दिलाती हूं कि केंद्र सरकार की ओर से आपको हर प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, भावुक हुई कंगना

हिमाचल प्रदेश के समेज गांव में हालात इस कदर बने हुए हैं कि कहीं बुजुर्ग तो कहीं बच्चे अपनों की तलाश में घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। वहीं इस तरह की स्थिति का जायजा लेने के लिए मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना रणौत पहुंची जहां पर पहुंचते ही महिलाएं जोर-जोर से रो पड़ी। ऐसे में कई महिलाएं कंगना के गले लगकर रोई। वहीं कंगना भी इन महिलाओं को देखकर भावुक हो गई। समेज में हालात देखकर भाजपा सांसद कंगना की आंख भी नम हो गई और वह भावुक हो गई। इस दौरान जब एक बुजुर्ग महिला व एक जवान महिला उनसे मुलाकात कर रही थी तो कंगना की आंखें नम हो गई और वहीं महिलाओं ने रोते हुए अपनी बात रखी।

पराली प्रबंधन को लेकर उपायुक्त ने उद्योगपतियों व बेलर मालिकों की बैठक ली

इस बार धान का पुआल जलाने की इजाजत नहीं दी जायेगी - उपायुक्त

ब्यूरो चीफ राजिंदर कुमार

अमृतसर 7 अगस्त 2024- आगामी धान की कटाई के सीजन को ध्यान में रखते हुए डिप्टी कमिश्नर श्री घनशाम थोरी ने धान की पराली को बचाने के लिए खेतों से धान की पराली इकट्ठा करने वाले उद्योगपतियों और बेलरों के मालिकों के साथ आमने -सामने बैठक की ताकि दोनों पक्ष धान की पराली का उपयोग कर सकें। इस मौसम में भूसे का सही उपयोग किया जा सकता है। श्री थोरी ने कहा कि पंजाब सरकार पर्यावरण की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत पराली प्रबंधन को प्राथमिकता के रूप में ले रही है और इस बार भी किसानों को सब्सिडी पर बड़ी संख्या में पराली संभालने वाली मशीनें दी जा रही हैं । उन्होंने कहा कि अगर इस बचाए गए पराली को औद्योगिक ईंधन या किसी अन्य रूप में हमारे पास लाया जाए तो सरकारी पहल का लाभ प्राप्त किया जा सकता है । उन्होंने कहा कि हमारे पास एक बड़ा उद्योग है, बेलर भी हैं, लेकिन फिर भी आपसी तालमेल की कमी के कारण वर्तमान में पराली का उचित प्रबंधन नहीं हो पा रहा है . इसलिए आज दोनों पक्षों को आमने-सामने लाकर सीधी बातचीत में पराली प्रबंधन के मुद्दे पर चर्चा की गई है . उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि आगामी धान के सीजन में किसी भी किसान को पराली जलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी लेकिन बेलर या सुपर सीडर जैसी मशीनें हमारे यहां उपलब्ध रहेंगी . जिसका उपयोग कर किसान पराली की देखभाल कर सकेंगे । उन्होंने उद्योगपतियों को ईंधन के रूप में पराली का उपयोग करने के लिए अपने स्वयं के संयंत्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया ताकि इस मुफ्त ईंधन का उपयोग किया जा सके । इस अवसर पर उद्योगपतियों ने अपने द्वारा लगाए जा रहे प्लांटों की जानकारी उपायुक्त के साथ साझा की और कहा कि वे भविष्य में पराली का उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर अलग-अलग प्लांट लगा रहे हैं ताकि इसका उपयोग ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जा सके । इस अवसर पर उपस्थित बेलर मालिकों ने भी अमृतसर जिले में काम करने का आश्वासन दिया जहां धान की कटाई सबसे पहले शुरू होती है । बैठक में मौजूद कुछ किसानों ने अपनी सलाह भी दी और कहा कि जितने किसानों ने खेतों में पुआल की जुताई की है या सुपर सीडर की मदद से गेहूं की बुआई की है, उन्हें एक तो अधिक उपज मिली है और दूसरी बात यह है कि उनका खर्च भी कम हो गया है. . जिससे किसानों को अधिक मुनाफा हुआ है . इस मौके पर इस अवसर पर आईएएस अधिकारी श्रीमती सोनम , मुख्य कृषि अधिकारी तजिंदर सिंह , एक्सियन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री सुखदेव सिंह , उद्योगपति कमल डालमिया , राणा शुगर मिल , ओसीएम मिल के मुख्य अधिकारी और अन्य प्रतिष्ठानों के मालिक और प्रबंधक उपस्थित थे ।

उद्योगपतियों और बेलर मालिकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए डिप्टी कमिश्नर श्री घनशाम थोरी

9 अगस्त को मेहता में लगेगा रोजगार शिविर- ईटीओ

अमृतसर 7 अगस्त 2024-- डिप्टी ब्यूरो दलजीत कुमार बिट्टू

पंजाब। सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। ये बातें पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह ईटीओ ने व्यक्त कीं और बताया कि अमृतसर जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार प्रदान करने के लिए शुक्रवार 9 अगस्त 2024 को सुबह 09:30 बजे मार्केट कमेटी कार्यालय, मेहता में एक स्व -रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि इस कैंप में पंजाब सरकार के जिला अमृतसर के स्वरोजगार विभाग जैसे ग्रामीण स्वरोजगार तकनीकी संस्थान, पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला उद्योग केंद्र, एससी निगम, पंजाब कौशल विकास मिशन, बैकफिनको, डेयरी शामिल होंगे। विकास बोर्ड। जिसमें वे अपने-अपने विभाग में चल रही योजनाओं की जानकारी देंगे। प्लेसमेंट कैंप में लड़के और लड़कियों को शेयर इंडिया फिनकॉप (पी), पेटीएम, रक्षा सिक्योरिटी और मैक्स कोचर टेक आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में 12,000 से 30,000 प्रति माह वेतन पर नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे । इसके अलावा कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सी-पाइट सेंटर उन उम्मीदवारों को बहुमूल्य जानकारी भी प्रदान करेगा जो सेना और पुलिस में काम करना चाहते हैं। मार्केट कमेटी के चेयरमैन डॉ. गुरविंदर सिंह ने युवाओं से शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया । जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो की उपनिदेशक श्रीमती नीलम महे ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए ब्यूरो के टेलीग्राम चैनल डीबीईई अमृतसर और कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल। आज भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा ने असंध के वार्ड नंबर 6 की एक गली, वार्ड नंबर 7 की चार गली, वार्ड नं 12 की एक गली, वार्ड नं 16 की तीन गली कुल 9 गलियों का उद्घाटन नारियल तोड़कर किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 सालों में पहले तात्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल और अब मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोदी जी के सबका साथ सबका विकास मन्त्र को जमीन पर उतार कर दिखाया। सरकार ने हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की है। हर जिले में विकास के ढेर सारे काम हुए हैं और इसी कड़ी में आज असंध में भी उन्होंने लोगों की हर मूलभूत सुविधाओं को घर घर तक पहुंचाने के लिए सड़क निर्माण के विकास कार्यों का शुभारंभ किया है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा ने मौके पर मौजूद पत्रकारों द्वारा पूछे असंध विधानसभा को जिला बनाये जाने के सवाल पर कहा कि असंध की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए असंध विधानसभा को जिला बनाये जाने की 100 प्रतिशत सम्भावना है। उन्होंने इस मौके पर जानकारी देते हुए बताया कि असंध कि भौगोलिक स्थिति जिला बनाये जाने के अनुकूल है और असंध की दूरी करनाल, पानीपत,कैथल ओर जींद से लगभग 45 किलोमीटर की है जो कि बराबर बराबर है और असंध एक केंद्र बनता है इसको देखते हुए असंध अवश्य जिला बनेगा! इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस के दुष्प्रचार के बारे में बोलते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के आरक्षण को लेकर किये गए दुष्प्रचार से पार्टी को थोड़ा बहुत नुक्सान हुआ है लेकिन काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती। आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा दो तिहाई बहुमत हासिल करके तीसरी बार सत्ता में लौटेगी और नायब सैनी के सर पर फिर एक बार मुख्यमंत्री का ताज सजेगा इस मौके पर नगरपालिका चेयरमैन सतीश कटारिया, मंडल अध्यक्ष राम अवतार जिंदल, मंडल महामंत्री विनय राणा, वार्ड नं 6 के पार्षद प्रतिनिधि कुलदीप, वार्ड नं 12 के पार्षद जगदीश गुप्ता, वार्ड 16 के पार्षद चैन सिंह, संजू, मास्टर अजय कुमार, संदीप पंचाल, मदन जांगड़ा, सुनील शर्मा, सोनू राणा, राजेश डांगी, रघुबीर ठेकेदार, रमेश दुआ, राम कुमार सिंधड, महावीर सिंधड सहित अन्य वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हरियाणा सिख समाज को एक जुट कर उनके हकों की आवाज बुलंद करने की मुहिम अब जोर पकड़ती जा रही है

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

हरियाणा। के सिख समाज को एक जुट कर उनके हकों की आवाज बुलंद करने की मुहिम अब जोर पकड़ती जा रही है व आठ सितंबर को करनाल में आयोजित होने जा रहे हरियाणा सिख सम्मेलन को अब सिख कौम की बड़ी हस्तियों का साथ भी मिलने लगा है। आज हरियाणा के प्रबुद्ध सिखों ने तख़्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह से मुलाकात की व उन्हें आगामी आठ सितंबर को करनाल में आयोजित होने जा रहे सिख महासम्मेलन के लिए न्यौता दिया। हरियाणा के सिखों की एकता व उनके हकों की पूर्ति के लिए उठाये गये इस कदम की प्रशंसा करते हुए जत्थेदार हरप्रीत सिंह ने बाकायदा अपना वीडियो संदेश जारी कर हरियाणा प्रदेश के हर सिख परिवार से इस हरियाणा सिख महासम्मेलन में शामिल होने के लिए कहा। करनाल में सात जुलाई को हुई प्रदेश स्तरीय बैठक व उसके बाद हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, कैथल, कुरुक्षेत्र आदि ज़िलों व अनेक ब्लॉक में लगातार मौजीज सिखों व सिख संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक करने के बाद व अन्य ज़िलों के सिख प्रतिनिधियों व संगत की राय लेने के बाद रखे गये हरियाणा सिख सम्मेलन में राजनीतिक लीडरों की बजाया सिख धर्म के पाँच तख़्त साहिब के जत्थेदारों व कौम के प्रमुख संत महापुरुषों व अग्रणी सिखों को हरियाणा के सिख समाज का मार्गदर्शन करने के लिए बुलाया जा रहा है। इसी संबंध में जत्थेदार हरप्रीत सिंह से मुलाकात के लिए पहुँचे प्रदेश के मौजीज सिखों जगदीप सिंह औलख, गुरतेज सिंह खालसा, हरप्रीत सिंह दर्दी, अवतार सिंह चक्कु, शरणजीत सिंह सौंथा, अमरजीत सिंह मोहडी, अमृत सिंह बुग्गा, रूपिंदर सिंह जॉली, पंजाब सिंह निसिंग, सुखविंदर सिंह झब्बर, जोशपाल सिंह गिल, बक्खा सिंह गुराया, बलराज सिंह पोल्ड, बीनू चीमा व बलजिंद्र सिंह अमूपुर ने उन्हें बताया कि हरियाणा का सिख समाज निम्न माँगों को लेकर संघर्ष की तैयारी कर रहा है।

शिअद, पार्टी का दीर्घकालिक भावी एजेंडा तैयार करने के लिए करेगी डैलिगेट्स सैशन

- वर्किंग कमेटी और कोर कमेटी ने इसरू, बाबा बकाला और लौंगोवाल में राजनीतिक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया

चंडीगढ़, अगस्त : शिरोमणि अकाली दल ने आज पार्टी का दीर्घकालिक एजेंडा तैयार करने के लिए नवंबर के पहले सप्ताह में श्री आनंदपुर साहिब में 3 दिवसीय डेलिगेट्स सैशन आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंधी निर्णय सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में कोर कमेटी की मीटिंग में लिया गया। कमेटी ने तय किया कि डेलीगेट सैशन में पंजाब के साथ हो रहे अन्याय के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, प्रवासी समुदाय और संघवाद को मजबूत करने के तरीकों सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कोर कमेटी ने 15 अगस्त को खन्ना के गांव इसरू में शहीद करनैल सिंह की शहादत की याद में 19 अगस्त को रक्खड़ पुन्या के अवसर पर बाबा बकाला में तथा 20 अगस्त को संत हरचंद सिंह लोंगोंवाल की पुणयतिथि के अवसर पर लोंगोवाल में राजनीतिक सम्मेलन करने का फैसला किया है।

इस बीच यहां वर्किंग कमेटी और कोर कमेटी ने 30 जुलाई और 1 अगस्त को पार्टी की अनुशासन कमेटी द्वारा लिए गए सभी फैसलों की पुष्टि की, जिसके तहत पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण कुछ नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया गया था। दोनों कमेटियों ने प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को वर्किंग कमेटी के कुछ सदस्यों की मृत्यु यां पार्टी छोड़ने यां निष्कासित किए जाने के कारण खाली हुए पदों को भरने की मंजूरी दी गई। यह मंजूरी पार्टी के संविधान के प्रावधान 5 एच और 29 के तहत दी गई। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मीटिंग के दौरान वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ राजनीतिक बदलाखोरी का कड़ा संज्ञान लिया। वर्किंग कमेटी ने पहले पास किए प्रस्ताव के अनुसार पार्टी की नई कोर कमेटी के नामांकन को भी मंजूरी दे दी है।

शिरोमणि अकाली के प्रधान सुखबीर सिंह बादल कोर कमेटी की मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए।

विश्व सनातन धर्म सभा ने पंजाब भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी के साथ की बैठक

चंडीगढ़, अगस्त : विश्व सनातन धर्म सभा ने मंगलवार को पंजाब भाजपा के प्रभारी विजय रूपाणी के साथ बैठक की, जिसमें अश्वनी सेखड़ी प्रधान व सीनियर वाइस प्रधान पंडित देवीदयाल पराशर द्वारा विश्व सनातन धर्म सभा की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान विश्व सनातन धर्म सभा की ओर से 117 विधानसभा हलकों के इंचार्ज 15 अगस्त से पहले-पहले नियुक्त करने की विनती की गई। हलका इंचार्ज और कोर कमेटी के मैंबर के चंडीगढ़ आने पर अश्विनी सेखड़ी द्वारा धन्यवाद किया गया। इसमे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास किए गए। विजय रूपाणी ने संस्था के प्रधान व उनकी टीम का धन्यवाद किया गया और कहा कि सभी को बनता सम्मान दिया जाएगा। बैठक में अश्वनी सेखड़ी अमृतसर, देवीदयाल पराशर मंडी गोबिदगढ़, राज नम्बरदार बठिंडा, श्रवण सिंह राजपुरोहित मंडी गोबिंदगढ़, महेश गुप्ता जालंधर, एडवोकेट शिव कुमार समराला, सतीश बहल पटियाला, केवल कृष्ण, पं. राजन शर्मा लुधियाना, गुलशन महाजन अमृतसर, गोपाल कृष्ण बंसल, हरित गुप्ता, सतीश मल्होत्रा लुधियाना, जसपाल शर्मा पटियाला, राजेन्द्र मट्टू समराला, विक्रमजीत पटियाला, साधुराम, लक्की कुमार, चन्द्रशेन भोला लुधियाना, कृष्ण भारद्वाज, विशाल शर्मा, दीपक कुमार व अशोक मल्होत्रा जालंधर उपस्थित थे।

विश्व सनातन धर्म सभा के सदस्य पंजाब भाजपा के प्रभारी विजय रूपाणी के साथ बैठक करते हुए।

पशुधन गणना में पहली बार होगी कुत्ते-बिल्लियों की गिनती : खुड्डियां

- 21वीं पशुधन गणना का क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रारंभ
- प्रशिक्षण में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली और चंडीगढ़ के नोडल अधिकारियों ने लिया भाग

अमृतसर, अगस्त : कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान पशुपालन को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी अर्थव्यवस्था को और बढ़ा सकते हैं। पंजाब सरकार पशुपालन को प्राथमिकता के रूप में ले रही है और हमारा प्रयास इसे हर किसान के लिए आय का एक प्रमुख स्रोत बनाना है।

ये शब्द पंजाब के कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास विभाग के मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज 21वें पशुधन गणना प्रशिक्षण में भाग लेने वाले पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ के नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 21वीं पशुधन गणना में पहली बार कुत्तों और बिल्लियों की नस्ल की भी गणना की जाएगी।

खुड्डियां ने कहा कि पंजाब सरकार शुरू से ही पशुपालन विभाग को प्राथमिकता देती रही है और इसलिए विभाग में बड़े पैमाने पर पशु चिकित्सा अधिकारियों और पशु चिकित्सा निरीक्षकों की भर्ती की गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार पशुओं को बुनियादी उपचार उपलब्ध करा रही है और बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण के साथ पशुपालकों को समयबद्ध तरीके से सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 21वीं पशुगणना के लिए लगभग 1700 प्रगणक, 400 पर्यवेक्षक तथा 23 जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा इस कार्य की जांच हेतु विभिन्न टीमें भी नियुक्त की गई हैं। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के पशुधन की गणना अलग से की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए।

संक्षिप्त समाचार

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

उरई। थाना कदौरा पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त उमाकान्त उर्फ उमाशंकर तिवारी पुत्र रविन्द्र प्रसाद निवासी पथरेहठा थाना कदौरा जनपद जालौन को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

डीएम व एसपी ने टीकर के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

उरई । पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक जालौन के साथ होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत रिक्त पद उपनिर्वाचन के दृष्टिगत प्राथमिक विद्यालय ग्राम टीकर थाना डकोर में बने मतदान केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण कर मतदान

प्रकिया को सकुशल सम्पन्न कराने एवं सुरक्षा व्यवस्था आदि के संबन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

महिला से की मारपीट, पीड़िता ने पुलिस से की शिकायत

कोंच। सुरही चौकी क्षेत्र के कांशीराम कालोनी निवासी एक महिला ने मारपीट कर घायल किए जाने की पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है कालोनी निवासिनी संगीता पत्नी पप्पू ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि मंगलवार की दोपहर ग्राम किरवा रामपुरा थाना कुठौंद निवासी 2 सगे भाई उसके कमरे पर आए और अकारण ही गाली गलौज करने लगे। उसने जब विरोध किया तो उक्त दोनों भाइयों ने एकराय होकर लाठी डंडे से बुरी तरह मारा पीटा जिससे वह घायल हो गयी। चीख पुकार सुनकर आसपास रहने वाले अन्य लोगों को मौके पर आता देख उक्त दोनों भाई पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। मामले को लेकर संगीता ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है वहीं कोतवाली पुलिस ने प्रार्थनापत्र पर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वारंटी गिरफ्तार

उरई। थाना सिरसाकलार पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त अरविन्द कुमार पुत्र नत्थू सिंह निवासी ग्राम जखा थाना सिरसाकलार जनपद जालौन को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

पश्चिम चंपारण मे राजस्व कार्यो को ससमय नियमानुकूल तरीके से कराएं निष्पादित - डीएम

जिले के सभी राजस्व कार्यालयों की जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा करायी जाएगी औचक जाँच।

›› कार्यो को ससमय निष्पादित कराना सुनिश्चित करें

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि विभागीय दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए राजस्व कार्यों को ससमय निष्पादित कराना सुनिश्चित करें। माननीय न्यायालय सहित अन्य कार्यों से संबंधित संचिका, अभिलेख को विधिवत मेंटेन किया जाय। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन की सुदृढ़ीकरण एवं अपेक्षित सुधार के उद्देश्य से यह समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई है। सभी राजस्व अधिकारी एवं अमीन पारदर्शी तरीके से विधिसम्मत कार्यों को निष्पादित कराएंगे।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। डीएम दिनेश कुमार राय ने आज प्रखंड सभागार, बगहा में बगहा अनुमंडल अंतर्गत बगहा-1, बगहा-2, भितहा, रामनगर, पिपरासी, मधुबनी एवं ठकराहा अंचल द्वारा किये जा रहे राजस्व कार्यों की हल्कावार समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में अभियान बसेरा 2 अंतर्गत भूमिहीनों को वासभूमि हेतु पर्चा वितरण, सरकारी जमीन इंट्री स्टेट्स, ऑनलाइन म्यूटेशन, मुख्यमंत्री/जिला जनता दरबार, ई-कम्प्लायंस डैशबोर्ड, परिमार्जन, अंकेक्षण, विधानसभा से संबंधित प्रश्न, अतिक्रमण, पंचायत सरकार भवन, सीडब्ल्यूजेसी/एमजेसी, खास महल, ई-मापी आदि के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी।

›› हर हाल में ससमय न्याय मिलना चाहिए

उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यों के निष्पादन हेतु आने वाले व्यक्तियों को हर हाल में ससमय न्याय मिलना चाहिए। जनता को परेशान नहीं किया जाय। उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाय। नियमानुसार जनता की राजस्व संबंधित परेशानियों को दूर किया जाय। किसी के प्रभाव में आकर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुरानी दीवार भरभरा कर गिरी, मलवे में दबने से बच्ची की मौत

■ उरई

थाना सिरसाकलार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गढ़वा में कच्ची दीवार गिरने से एक बच्ची के दब जाने के कारण उसकी मृत्यु हो गयी खबर पाकर पहुंची थाना पुलिस ने मालवे में दबी बच्ची का शव निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

जानकारी में बताया गया कि ग्राम गढ़वा निवासी मोहित सिंह सेंगर की पुत्री गंगा 7 वर्ष जब आंगन में खेल रही थी तभी पुरानी कच्ची दीवार भर भरा कर उसके ऊपर गिर पड़ी जिसके कारण मलबे में दब जाने से उसकी मौत हो गई, खबर पाकर पहुंची थाना पुलिस ने मालवें से बच्ची का शव निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया इस संबंध में क्षेत्राधिकारी का कहना है कि डायल 112 द्वारा थाना पुलिस को घटना के संबंध में बताया गया था जिसके बाद तत्काल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मलबे में दबी बच्ची का शव निकलवा कर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया,साथ ही सभी जरूरी विधिक कार्रवाई भी की गई।

अलग-अलग स्थानों से तमँचा सहित तीन गिरफ्तार

उरई। थाना कालपी पुलिस द्वारा 03 अभियुक्तगण शिवम यादव पुत्र नाहर सिंह नि0 ग्राम लखनापुर थाना देवराहट जनपद कानपुर देहात, मुलायम सिंह पुत्र उजियारी लाल, धर्मेन्द्र सिंह पुत्र छोटे सिंह निवासीगण ग्राम नगीना बांगर थाना मूसानगर जनपद कानपुर देहात को अलग-अलग स्थानो से 01-01 तमन्चा मय कारतूस के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की गयी।

एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

उरई। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारीगण के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों/कार्यालयों में आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

अब टीबी मरीजों की होगी एक साथ 16 प्रकार की जाँच : डॉ रमेश चंद्रा

टीबी मुक्त अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों का हुआ प्रशिक्षण

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। टीबी मुक्त अभियान के तहत राजड्योढी कैंपस बेतिया में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह संचारी रोग एवं यक्ष्मा नियंत्रण अधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया डॉ रमेश चंद्रा की अध्यक्षता में एसटीएस एवं एसटीएलएस के टीबी मरीजों की जाँच के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी मरीजों की मृत्यु से बचाव को अब एक साथ 16 प्रकार की जाँच की जाएगी। इसमें बीपी, वजन, शुगर, पल्स, छाती का एक्स रे, एचआईवी आदि की जाँच होगी। इससे मरीज के अंदर की कमियों की जानकारी होगी, कम समय में उनके स्वास्थ्य का डिटेल्स पता चलेगा और टीबी के साथ ही अन्य बीमारियों का पता चलने पर स्वस्थ किया जा सकेगा। बैठक में प्रखंडवार टीबी नोटिफिकेशन, एचआईवी, डीबीटी, एनपीवाई, पीएमडीटी, आउटकम कॉन्सेन्ट, निक्षय औषधि करेंट स्टेटस के साथ सभी प्रकार की रिपोर्ट के साथ ही टीबी मुक्त पंचायत के पहल से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

डीडीसी ने बस पड़ाव और डंपिंग यार्ड की भूमि का किया स्थल निरीक्षण।

जल संसाधन विभाग से अनापति प्रमाण पत्र प्राप्त करने का दिया आदेश।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

वाल्मीकिनगर। बिहार के वाल्मीकिनगर पर्यटन नगरी की चौतरफा विकास को ले कर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है इसी क्रम में वाल्मीकिनगर पंचायत में बनने वाले कचरा प्रबंधन के लिए डंपिंग यार्ड के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण,बस पड़ाव सहित वाल्मीकिनगर में आने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए रहने का विश्रामागार , पे जल और शौचालय निर्माण के लिए भूमि का निरीक्षण और सर्वे करने बुधवार को उप विकास आयुक्त पश्चिमी चंपारण (डीडीसी) प्रतिभा रानी पहुंची।

अब जाम से मिलेगी निजात, पहाड़गांव रोड से उरई रोड तक बाईपास बनने का रास्ता साफ

दो चार दिन में पूरी कागजी कार्रवाई कर शासन को भेज दी जाएगी

बाईपास से जाम को मिलेगी निजात-मनोहर

सूरज ज्ञान मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य मनोहर सिंह निरंजन ने कहा कि बाईपास के निर्माण से नगर वासियो को जाम से राहत मिलेगी उन्होंने कहा विद्यालय के छोटे छोटे बच्चे भी घंटो जाम में फंसे रहते है उन्हे भी बाईपास के निर्माण के बाद राहत मिलेगी और का भी डर नही रहेगा।

■ कोंच

नगर के लोगो के लिए बड़ी खुशखबरी है, पहाड़गांव रोड से उरई रोड को जोड़ने वाला बाईपास जल्द बनेगा जिसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। यह बाईपास बनने के बाद कस्बे के लोगों को जाम की समस्या से बढ़ी राहत मिलेगी। बताया गया कि सर्वे का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। अब आगणन बना कर शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

कस्बे में जाम की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसी बीच एक राहत भरी खबर मिल रही है कि जल्द ही पहाड़गांव रोड से लेकर उरई रोड को जोड़ने वाला एक और बाईपास बनने जा रहा है। जिसका सर्वे का काम भी पूरा कर लिया गया है जल्द ही शासन को इसका प्रस्ताव भेजा जाएगा। बताया गया है कि पहाड़गांव रोड से उरई रोड बाईपास साढे पांच किलोमीटर लंबा व सात मीटर चौड़ा बनाया जाएगा।हम आपको बताते चले इस बाईपास की मांग लंबे समय से नागरिकों द्वारा की जा रही थी।लेकिन यह तय है कि इस बाईपास से कस्बे के लोगों को बढ़ी राहत मिलेगी, कस्बे में लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी। पीडब्ल्यूडी के सूत्र बताते हैं कि इस बाईपास का अनुमोदन हो गया है, शासन को स्टीमेट बना कर भेजा जा रहा है।

मकान पर जबरन कब्जा करने की पुलिस से की शिकायत

कोंच। मकान पर जबरन कब्जे का प्रयास करने और धमकाने की पुलिस से शिकायत कर पीड़ित व्यक्ति न कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गोखले नगर निवासी राजनारायण पुत्र जियालाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह मजदूरी कर दिव्यांग बेटे सहित अन्य परिजनों का भरण पोषण करता है। उसके पड़ोसी ताकत की दम पर उसके मकान पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। मकान से संबंधित अभिलेख दिखाने को वह कहता है तो पड़ोसी अभिलेख नहीं दिखाते हैं, उल्टा गाली गलौज कर धमकाते रहते हैं। गरीबी और बेटे के दिव्यांग होने का पड़ोसी व्यक्ति फायदा उठाना चाहता है। पीड़ित राजनारायण ने मामले को लेकर पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

वर्कर्स को दिया गया जल जीवन मिशन को लेकर प्रशिक्षण

■ कोंच

विकास खंड कार्यालय के सभागार में जल जीवन मिशन हर घर जल योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों से जुड़े वर्कर्स को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत से दो आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, दो स्कूल शिक्षक या शिक्षा मित्र, एक आशा वर्कर, एक एएनएम, एक पानी समिति सदस्य, एवं दो स्वयं सहायता समूह नागरिकों को विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला का आयोजन स्वजन फाउंडेशन लखनऊ द्वारा किया गया। राज्य प्रशिक्षक विदुषी द्वारा जल जीवन मिशन के उद्देश घटक, राजनीति के साथ ग्राम पेयजल, स्वच्छता समिति व जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की भूमिका के विषय में विस्तार से चर्चा की गई।जिला समन्वयक वैभव वर्मा ने जल जीवन मिशन की गाइडलाइन के अनुसार पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण एकल एवं बहुल पाइप योजना निष्पादन लागत अंशदान एवं निर्माण में सामुदायिक अंशदान व उसकी गणना आदि के बारे में बताया। फाउंडेशन के डीपीसी ईशांत कुमार ने जल जीवन मिशन के सहभागिता एवं सामुदायिक गतिशीलता समुदाय में अभिप्रेरण का महत्व, समुदाय के साथ कार्य करने का अनुभव, वित्तीय आयोजन एवं वित्तीय पोषण के साथ अभिलेख आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में प्रशिक्षण किट भी वितरित किए गए, साथ ही जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें नल वाला जल पिलाओ, डायरियां को भगाओ नारे के साथ प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी मानूलाल यादव, श्याम नारायण दुबे, देवेंद्र गांधी, शिवम वर्मा, कार्यक्रम संयोजक वैभव वर्मा, सौरभ वर्मा के अलावा किरन लौना, मंजू भदारी, सुमन पड़री, शिवकांति कुदरा, वर्षा घमूरी, काजल कुशवाहा कुदरा खुर्द आदि मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों की स्थिति चिन्ता जनक

■ कोंच

- बिलायां स्कूल का अनुदेशक साल में एक दो बार ही आता है
- एसडीएम ने तहसीलदार के साथ किया स्कूल का निरीक्षण

सरकारी स्कूलों की स्थिति काफी चिन्ताजनक है। बिलायां स्कूल में अनुदेशक साल में एक या दो बार ही स्कूल आता है लेकिन पंजिका में वह बराबर उपस्थित दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह ने बिलायां स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया जहां शिक्षण की स्थिति बेहद खराब मिली। विद्यालय में छात्रों की पढ़ाई से एसडीएम संतुष्ट नहीं दिखीं। एसडीएम ने बीईओ को संबंधित अनुदेशक की लापरवाही के संबंध में बीएसए और डीएम को पत्र भेजने के निर्देश दिए।बिलायां गांव के तमाम ग्रामीणों ने एसडीएम ज्योति सिंह से स्कूल की बदहाल शिक्षण व्यवस्था की शिकायत की थी जिस पर एसडीएम सरकारी अमले को साथ लेकर बिलायां गांव में उच्च प्राथमिक विद्यालय में औचक निरीक्षण करने पहुंचीं। उन्होंने वहां कक्षाओं में पढ़ाई करने वाले बच्चों से मुलाकात की और बच्चों से पढ़ाई की जानकारी ली। बच्चों ने एसडीएम को बताया कि उनके विद्यालय में अनुदेशक सौरभ द्विवेदी साल में एक या दो बार ही आते हैं। एसडीएम ने जिस पर नाराजगी जताई तथा बीईओ को अनुदेशक की लापरवाही की रिपोर्ट बनाकर डीएम और बीएसए को भेजने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने बताया कि उनके निरीक्षण में विद्यालय में पढ़ाई की स्थिति ठीक-ठाक नहीं पाई गई है। अनुदेशक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जांच कराएंगे, अगर फिर भी स्थिति में सुधार न हुआ तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लापता युवक की भाई ने कराई गुमशुदगी दर्ज

कोंच। युवक के लापता हो जाने पर भाई ने गुमशुदगी दर्ज करायी।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला आराजी लेन निवासी अख्तर पुत्र अफसर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका 18 वर्षीय भाई बीती 4 अगस्त की शाम घर से खेड़ा चौराहा जाने की बात कहकर निकला था जो अभी तक वापस घर नहीं आया। सभी जगह खोजबीन करने के बाद भी उसका अब तक कहीं कोई पता नहीं चल सका। मामले को लेकर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश तेज कर दी है।

अवैध वसूली में संलिप्त दो पत्रकार गिरफ्तार

■ कानपुर

पुलिस आयुक्त कानपुर नगर द्वारा चलाए जा रहे अभियान, अपराध हुआ समझ में भ्रष्टाचार व व्यापारियों से की जा रही अवैध वसूली से संबंधित अपराधों की रोकथाम गिरफ्तारी के संबंध में रविवार को पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन व सहायक पुलिस आयुक्त कलक्टर गंज के कुशल पर्यवेक्षण में हरवंश मोहाल थाने में पीड़ित के द्वारा लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने दो पत्रकारों नितिन सिंह व शुभम मिश्रा को गिरफ्तार किया। पीड़ित जिया मलिक पत्नी नितिन निवासी थाना चकेरी के द्वारा दी गई तहरीर में दो व्यक्ति 2 अगस्त को उनके द्वारा संचालित होटल पहुंचे ,और पांच हजार रुपए मांगे। मना करने पर दबाव में उन्हें 1000/- रुपए देकर जाने को कहा। लेकिन वे दोनों गुस्से में रुपए फेंककर यह बोलकर चले गए कि अब हम तुम लोगों से दस हजार रुपए हर महीने लेंगे। थोड़ी देर बाद होटल संचालक विकास गुप्ता से जबरन 10 बोतल बियर और चिली पनीर मंगाया था। सीसीटीवी की जांच पड़ताल में सही पाया गया।

पुलिस ने तत्काल तहरीर के आधार पर वांछित अभियुक्तों शुभम मिश्रा पुत्र गणेश मिश्रा व नितिन सिंह पुत्र गोपाल दास उम्र क्रमशः 28 वर्ष व 34 वर्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

दो बैंक्वेट हाल समेत पांच बेसमेंट सील

कानपुर। केडीए के प्रवर्तन दस्ते ने दो दिन पूर्व भी अनियमित ढंग से बने और गलत प्रयोग पर बेसमेंट के खिलाफ अभियान चलाया ।जोन 4 में दो बैंक्विट हॉल समेत पांच बेसमेंट सील किए गए।

प्रवर्तन जून 4 में थाना नौबस्ता में 128 / 10 ए ब्लॉक किदवई नगर परिषद संख्या 128 / 15 ए ब्लॉक किदवई नगर बेसमेंट में संचालित बैंक्विट हॉल, थाना किदवई नगर के परिसर संख्या 926, 927 दिल्ली सुजानपुर के बेसमेंट में संचालित बैंक्वट हॉल को सील किया गया। थाना चकेरी के परिसर संख्या -133 / 167 एम ब्लॉक किदवई नगर के बेसमेंट में संचालित कोचिंग सेंटर वापस कर संख्या 104 एल / 1 ए गांधीग्राम के बेसमेंट में संचालित कोचिंग को भी सील किया गया।

सार संक्षेप

अजय देवगन ने शुरू की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। वर्ष 2012 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल बनाया जा रहा है। इस फिल्म में अजय देवगन, मृणाल ठाकुर और चंकी पांडे की मुख्य भूमिका होगी। अजय देवगन ने सन ऑफ सरदार की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर शूटिंग की झलक दिखाई है। अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा कि सन ऑफ सरदार 2 की यात्रा प्रार्थनाओं, आशीर्वाद और एक अदभुत टीम के साथ शुरू होती है। वीडियो में अजय देवगन गुरुद्वारे में आशीर्वाद के साथ शूटिंग शुरू कर रहे हैं। अजय देवगन के बेटे युग भी शूटिंग सेट पर नजर आते हैं। स्टारकास्ट में एक झलक मृणाल ठाकुर की देखने को मिलती है जो फुल पंजाबी कुड़ी लुक में भांगड़ा कर रही हैं।वीडियो में चंकी पांडे डांस करते नजर आ रहे हैं।

सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबादः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने भाजपा राज्य कार्यालय में समारोह में भाग लिया और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रेड्डी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई की ओर से, हम दिवंगत सुषमा स्वराज को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सुषमा स्वराज ने भारतीय जनता पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से सम्मान अर्जित किया। रेड्डी ने पृथक तेलंगाना राज्य के आंदोलन में श्रीमती स्वराज की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान, श्रीमती स्वराज संसद में तेलंगाना के मुद्दे की वकालत करने वाली एक प्रमुख हस्ती थीं। उन्होंने याद किया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कैसे श्रीमती स्वराज ने तेलंगाना के सभी जिला केंद्रों पर कार्यकर्ताओं का समर्थन करते हुए भाषण दिया था।

तमिलनाडु में थाने पर पेट्रोल बम फेंका, कोई हताहत नहीं

चेन्नईः तमिलनाडु में सलेम जिले के एडप्पाडी पुलिस थाने पर मंगलवार तड़के अज्ञात बदमाश ने पेट्रोल बम फेंका हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तड़के करीब 04.00 बजे विस्फोट की आवाज सुनकर थाने में रात्रि ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल थाने से बाहर आया और देखा कि किसी ने पेट्रोल बम फेंका है तथा मौके से भाग निकला है। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि यह एक मोलोटोव कॉकटेल था जिसे फेंका गया और वह थाने की दीवार के पास गिरा। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक ए के. अरुण कबीलन सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूछताछ की। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने भी घटनास्थल का दौरा किया और अवशेषों को एकत्र किया और उन्हें प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए भेज दिया। पुलिस अपराधियों का पता लगाने के लिए थाने और उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर रही है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा करे सेना : शंकराचार्य

नई दिल्लीः ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि बंगलादेश की सेना वहां रह रहे हिन्दुओं की रक्षा करेगी क्योंकि इस समय शासन सेना के हाथ में है।
स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बंगलादेश में सोमवार को तख्तापलट के बाद हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये।
शंकराचार्य ने कहा कि हमें बंगलादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में सूचित किया गया है। देश सेना शासन के अधीन है। हम उम्मीद करते हैं कि सेना नागरिकों की सुरक्षा का अपना कर्तव्य अवश्य निभायेगी। बंगलादेश में लगभग 10 प्रतिशत हिन्दू रहते हैं। उनकी सुरक्षा की जरूरत है, इसलिये हम सेना से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करना चाहेंगे।

मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यसभा में बोलती निर्मला सीतारमण।

प्रकृति से जो पाया है उसे लौटाने का प्रयास है पौधरोपण : यादव

● भोपाल,

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पौध-रोपण के लिए आरंभ किया गया, 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और वसुंधरा को संवारने के उनके मन के भाव और संकल्प का प्रकटिकरण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौध-रोपण के 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम अंतर्गत ऊर्जा विभाग के गोविंदपुरा स्थित निष्ठा परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पौध-रोपण का यह अभियान, परमात्मा से प्रकृति के रूप में जो हमें प्राप्त हुआ है, उसे वापस लौटाने का एक प्रयास भी है। विकास के क्रम में हुए प्रकृति के क्षरण की प्रतिपूर्ति करने और संतुलन बनाए रखने में भी पौध-रोपण से मदद मिल रही है। उन्होंने परिसर में आंवले का पौधा भी लगाया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, महापौर मालती राय तथा अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति मातृ-सत्ता की उपासक है और पौध-रोपण अभियान को प्रधानमंत्री मोदी ने माँ का नाम देकर प्रत्येक व्यक्ति को अभियान से आत्मीय रूप से जोड़ा है। माँ के नाम से अथवा उनकी स्मृति में पौधा लगाना इस बात का भी प्रतीक है कि हमने जो प्रकृति से पाया है, उसे लौटाने का भी हमारे मन में भाव हैं। भारतीय संस्कृति वृक्षों को बहुत महत्व प्रदान करती है।

मंगलवार को फिजी गणराज्य के सुवा में अपनी राजकीय यात्रा पर पारंपरिक स्वागत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु।

किसने किया हसीना का तख्तापलट

3 छात्र नेताओं के जनआंदोलन से फैला सरकार के खिलाफ आक्रोश

● नई दिल्ली, एजेंसी

5 अगस्त को 45 दिन बाद शेख हसीना दोबारा भारत पहुंचीं। इससे पहले 21 जून को जब वे भारत आई थीं तो पीएम मोदी ने उन्हें रेड कार्पेट वेलकम दिया था। इस बार की कहानी कुछ अलग है। हसीना भारत आईं तो जरूर, लेकिन पीएम पद से इस्तीफे के बाद। उस वक्त जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री कार्यालय पर प्रोटेस्ट कर रहे छात्रों का कब्जा है। हसीना को अपना देश तक छोड़ने के लिए मजबूर करने के पीछे 3 किरदार अहम हैं। जिन्होंने यूनिवर्सिटी कैंपस से आंदोलन शुरू कर 15 साल से सत्ता में बैठी शेख हसीना की सरकार गिरा दी। अब एक-एक कर आंदोलन को शुरू करने वाले उन 3 छात्र नेताओं के संघर्ष की कहानी।

नाहिद इस्लाम छात्र आंदोलन का सबसे बड़ा चेहरा है। उसने रविवार को बयान दिया था, ह्लआज हमने लाठी उठाई है, अगर लाठी काम नहीं आई तो हम हथियार उठाने के लिए भी तैयार हैं। ढट हसीना देश को गृहयुद्ध में धकेलना चाहती हैं। अब शेख हसीना को तय करना है कि वे पद से हटेंगी या पद पर बनी रहने के लिए रक्तपात का सहारा लेंगी। नाहिद, ढाका यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट है। उसने पुलिस पर आरोप लगाया कि 20 जुलाई की सुबह उसे उठा लिया गया था। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वर्दी में कुछ लोग नाहिद को गाड़ी में बैठा रहे थे। नाहिद के गायब होने के 24 घंटे बाद वह एक पुल के नीच बेहोशी की हालत में पाया गया। 27 जुलाई को डिटेक्टिव ब्रांच ने दो और छात्र नेताओं को हिरासत में लिया। इनके नाम सरजिस आलम और हसनत अब्दुल्लाह थे। उन्हें डिटेक्टिव ब्रांच के ऑफिस में रखा गया था। 28 जुलाई को उनके परिवार वालों ने उनसे मिलने की परमिशन मांगी, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। पुलिस ने उन्हें 29 जुलाई को छात्रों से मिलने की परमिशन दी, लेकिन इससे पहले नाहिद, आसिफ और उसके साथियों ने एक वीडियो जारी करके विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने की बात कही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने इनसे मारपीट कर जबरन वीडियो बनवाया था। आसिफ को एक इंजेक्शन दिया गया जिससे वह कई दिनों तक बेहोश रहा। वहीं शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने में अबू बकर ने भी मजूमदार भी है। वह ढाका यूनिवर्सिटी में भूगोल यानी जियोग्राफी डिपार्टमेंट का स्टूडेंट है। द फ्रंट लाइन डिफेंडर के मुताबिक वह सिविल राइट्स और ह्यूमन राइट्स को लेकर भी काम करता है। 5 जून को हाईकोर्ट के आरक्षण पर दिए फैसले के बाद बकर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन मूवमेंट की शुरूआत की। उसने स्वतंत्रता सेनानियों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी में आरक्षण दिए जाने का जमकर विरोध किया।

बांग्लादेश की स्थिति पर भारत की पैनी नजरः जयशंकर प्रसाद

● नई दिल्ली,

विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने मंगलवार संसद में कहा कि सरकार बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम से बहुत चिंतित है तथा जब तक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं देश की कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, वहां हमारी पैनी नज़र रहेगी।

डा. जयशंकर ने बांग्लादेश के घटनाक्रम पर संसद के दोनों सदनों लोकसभा एवं राज्यसभा में एक बयान में कहा कि पड़ोसी देश का राजनीतिक घटनाक्रम चिंता का विषय है और सरकार अपने राजनयिक मिशनों के माध्यम से वहां रह रहे भारतीय नागरिकों से बराबर संपर्क बनाये हुए है। उन्होंने कहा कि वहां भारत के 19 हजार नागरिक हैं जिनमें करीब नौ हजार छात्र हैं और इनमें से काफी छात्र जुलाई में स्वदेश आ गये थे। हमारी राजनयिक उपस्थिति के संदर्भ में, ढाका में उच्चायोग के अलावा, हमारे पास चटगांव, राजशाही, खुलना और सिलहट में सहायक उच्चायोग हैं। हमारी अपेक्षा है कि मेजबान सरकार इन प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक सुरक्षा संरक्षण प्रदान करेगी। स्थिति स्थिर होने पर हम उनके सामान्य कामकाज की आशा करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत बंगलादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी निगाह रखे हुए है। वहां से ऐसी रिपोर्ट आ रही हैं कि कई समूह और संगठन अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सलामती के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वभाविक है कि जब तक वहां कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती हमारी गहरी चिंता बनी रहेगी। विदेश मंत्री ने बताया कि सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों को बांग्लादेश की जटिल स्थिति को देखते हुए असाधारण रूप से चौकस रहने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि भारत पिछले 24 घंटों से ढाका में अधिकारियों के साथ संपर्क बनाये हुए है। बांग्लादेश के घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को ढाका में कर्फ्यू लागू होने के बावजूद प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में सड़कों पर जमा हो गये थे।

हिमाचल में जल प्रलय से हाहाकार

मनाली : हिमाचल प्रदेश में कई दिनों की भारी बारिश के कारण जल प्रलय की स्थिति पैदा हो गई है। प्रदेश में जगह-जगह अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते मनाली-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग और 87 अन्य सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं, अगले तीन दिन मूसलाधार बारिश होने का अनुमान है और मौसम विभाग ने सात और आठ अगस्त के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। वहीं, उत्तराखंड में केदारनाथ धाम और उसके रास्ते में फंसे लोगों को मौसम साफ होने के बाद सुरक्षित निकालने के काम में तेजी आई है। लाहौल और स्पीति जिले में दो जगहों पर अचानक बाढ़ आ गई और जिंग जिंगबार के पास मनाली-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग-3 पर पानी और मलबा आ गया।

एनएचएम कर्मियों का धरना जारी

सिरसा : हरियाणा के सिरसा जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों की हड़ताल मंगलवार 12वें दिन भी जारी रही। लघु सचिवालय स्थित पानी की टंकी पर चढ़े चार कर्मचारी नीचे उतरने के लिये बिल्कुल भी तैयार नहीं है। जिलाभर के एनएचएम कर्मचारी लघु सचिवालय जलघर परिसर में दिन रात धरने पर बैठे हुये हैं। सोमवार रात कर्मचारियों के लिये यहां पर भोजन की व्यवस्था की गयी। रस्सी के सहारे खाने का सामान टंकी पर चढ़े कर्मचारियों तक पहुंचाया गया। मंगलवार को एनएचएम की महिला कर्मचारियों ने अपने हाथों पर मेहंदी लगाई, जिस पर लिखा था कि एनएचएम कर्मचारियों को पक्का करो। कई महिला कर्मचारियों ने अपने माथे पर भी इसी प्रकार से नारा अंकित करवा रखा था।

'अब कुत्ते बिल्लियों की भी होगी गणना'

अमृतसर : पंजाब के कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास विभाग के मंत्री गुरमीत सिंह खुडियन ने मंगलवार को कहा कि 21वीं पशुधन गणना में पहली बार कुत्तों और बिल्लियों की भी गणना की जायेगी। कैबिनेट मंत्री ने मंगलवार को 21 वें पशुधन गणना प्रशिक्षण में भाग लेने वाले पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ के नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुये कहा कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान पशुपालन को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी अर्थव्यवस्था को और बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार पशुपालन को प्राथमिकता के रूप में ले रही है और हमारा प्रयास इसे हर किसान के लिये आय का एक प्रमुख स्रोत बनाना है।

मंगलवार को हैदराबाद में हिलिफ प्रदर्शनी का शुभारंभ करती मॉडल।

गरीब पर सरकार ने 'कर' बोझ बढ़ाया

सरकार ने अमीरों को खूब राहत देने का काम किया: डा. अमर सिंह

● नई दिल्ली,

विपक्ष ने कहा है कि सरकार ने मध्यम वर्ग पर और गरीबों पर कर का बोझ डाल कर उनके जीवन को कठिन बना दिया है, जबकि अमीरों को कर में राहत देकर गरीबी तथा अमीरी के बीच की खाई को बढ़ाने का काम किया है।

लोकसभा में कांग्रेस के डॉ. अमरसिंह ने वित्त विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार ने बजट में गरीबों, नौकरी पेशा वाले लोगों तथा मध्यम वर्ग के लिए कुछ नहीं दिया है, जबकि अमीरों को खूब राहत देने का काम किया है। वित्त विधेयक को देखकर लगता है कि सरकार की मंशा आम आदमी से एक-एक पैसा वसूल करना तथा अमीरों को कर से छूट देने की है। उन्होंने कहा कि सरकार व्यक्तिगत स्तर के कर को ऊपर ला रही है और कारपोरेट टैक्स को नीचे ले जा रही है। पिछले दस साल में अमीरों के कर कम हुए हैं जबकि आम आदमी पर टैक्स का बोझ लादा गया है। कर से बचने के लिए मध्यम वर्ग का व्यक्ति बचत करके जो उपाय करता था उसकी सीमा को खत्म कर दिया गया है, यहां तक कि गृह ऋण में मिलने वाले कर को भी कम कर दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने वृद्धों को भी नहीं छोड़ा है और उनकी आय सीमा को भी घटा कर उन पर कर का शिकंजा कसा जा रहा है। पहले वृद्धों के लिए कर सीमा पांच लाख रुपए होती थी, लेकिन अब उसे घटाकर तीन लाख कर दिया है।

कमला हैरिस ने टिम वॉल्ज को बनाया उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

मिनेसोटा के गवर्नर हैं टिम वॉल्ज, डोनाल्ड ट्रम्प ने उप-राष्ट्रपति पद के लिए 39 साल के जेम्स डेविड वेंस को चुना

● नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इस चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने टिम वॉल्ज को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार चुना है। टिम वॉल्ज अमेरिकी राज्य मिनसोटा के गवर्नर हैं।

> **कमला हैरिस को इस कदम को ग्रामीण और श्वेत वोटर्स को साधने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। टिम वॉल्ज अमेरिकी आर्मी के नेशनल गार्ड का हिस्सा रह चुके हैं। वे पूर्व शिक्षक भी हैं, जो 2006 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के लिए चुने गए थे। 12 साल तक इस पद रहने के बाद 2018 में वो अमेरिकी राज्य मिनसोटा के गवर्नर बने।**

कमला हैरिस को इस कदम को ग्रामीण और श्वेत वोटर्स को साधने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। टिम वॉल्ज अमेरिकी आर्मी के नेशनल गार्ड का हिस्सा रह चुके हैं। वे पूर्व शिक्षक भी हैं, जो 2006 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के लिए चुने गए थे। 12 साल तक इस पद रहने के बाद 2018 में वो अमेरिकी राज्य मिनसोटा के गवर्नर बने। गवर्नर के तौर पर वॉल्ज ने स्कूलों में मुफ्त भोजन, जलवायु परिवर्तन, मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और मिनसोटा में वर्करों के लिए पैड लीव देने जैसे मुद्दों पर काम किया है।

रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने उप-राष्ट्रपति पद के लिए 39 साल के जेम्स डेविड वेंस को चुना है। 16 जुलाई को रिपब्लिकन पार्टी के कन्वेंशन में किसी भी डेलिगेट ने वेंस का विरोध नहीं किया। वेंस 2022 में पहली बार ओहायो से सीनेटर चुने गए थे। उन्हें ट्रम्प का करीबी माना जाता है। हालांकि, ट्रम्प समर्थक बनने से पहले 2021 तक वेंस उनके कट्टर विरोधी हुआ करते थे। 2016 में एक इंटरव्यू में वेंस ने ट्रम्प को निंदा के योग्य कहा था। उनके स्वभाव और लीडरशिप स्टाइल पर भी सवाल उठाए थे। फिर 2021 में उन्होंने इसके लिए ट्रम्प से माफी मांगी। साथ ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद वे ट्रम्प के करीबी बन गए।रिपब्लिकन पार्टी से उप-राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए 2 भारतवंशियों के नाम भी सामने आए थे। इनमें विवेक रामास्वामी और निक्की हेली शामिल थे। दोनों ही नेता रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस में ट्रम्प के खिलाफ खड़े हुए थे। बाद में चुनाव हारने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। 21 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रपति की रेस से अपना नाम वापस ले लिया था। नाम वापस लेने के साथ ही बाइडेन के कमला हैरिस को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने का समर्थन किया था। अगले 48 घंटों में कमला हैरिस ने पार्टी के अंदर समर्थन जुटा लिया था। 1 अगस्त से 5 अग्स्त तक डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए हुए चुनाव में भी कमला हैरिस ने जरुरी वोट हासिल कर लिए है।

तख्तापलट आईएसआई की साजिश

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुआ प्रदर्शन प्रधानमंत्री के इस्तीफे तक आ पहुंचा। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ कर भारत में आ गई। अब बांग्लादेश में सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान का नियंत्रण है। देश में अलोकतांत्रिक सरकार बनाने की तैयारी हो रही है। बांग्लादेश की इतनी खराब हालत के पीछे आखिर कौन जिम्मेदार है? टीवी व समाचार पत्रों में जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार तो बांग्लादेश की इस दुर्दशा के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ बताया जा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो चीन पर भी संदेह जाहिर किया जा रहा है। दरअसल भारत व बांग्लादेश के संबंध शुरू से अन्य पड़ौसी देशों के मुकाबले काफी अच्छे रहे हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच गहरी दोस्ती को न तो चीन पसंद करता रहा है और न ही पाकिस्तान। भारत के यह दोनों पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान हमेशा से ही भारत में अशान्ति फैलाने की कोशिश करते रहे हैं। इससे पहले भी इन दो देशों में भारत के खिलाफ साजिश रची गई है ताकि वह अपनी दखल बढ़ा सकें। 1971 में बांग्लादेश जब पाकिस्तान से आजाद होकर अलग देश बना तभी से ही चीन और पाकिस्तान द्वारा लगातार बांग्लादेश में अशांति फैलाने की साजिशें रची जा रही हैं। बांग्लादेश में इस बार के आंदोलन में कट्टरपंथी ताकतें और एनजीओ के भी शामिल होने के संकेत मिले हैं। हो सकता है इन्हें आईएसआई से फंडिंग की जा रही हो। चीन भी बांग्लादेश में निवेश करना चाह रहा था, लेकिन शेख हसीना की भारत से अच्छी दोस्ती के कारण वह अपनी मंशा में सफल नहीं हो पा रहा था। अब तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में चीन अपनी दखल बढ़ा सकता है। इसलिए माना जा रहा है कि बांग्लादेश की इस स्थिति के पीछे चीन-पाकिस्तान जिम्मेदार हो? शेख हसीना के बेटे ने भी कुछ इस तरह का संदेह जाहिर किया है। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि बांग्लादेश अब दूसरा पाकिस्तान बनने जा रहा है। खुफिया रिपोर्ट में भी बांग्लादेश के इस हालात के लिए आईएसआई जमात और उसकी छात्र इकाई को जिम्मेदार बताया जा रहा है। जमात को पाकिस्तान का बहुत ही करीबी माना जाता है और उन्हें समय-समय पर गुप्त फंड मिलते रहे हैं। ढाका में पाकिस्तानी मिशन से उन्हें लगातार सूचनाएं और निर्देश दिए जाते हैं। हाल ही में एक बहुत ही अजीब घटना देखी गई, जो कि सामान्य तौर पर कोई विदेशी मिशन नहीं करता। पाकिस्तान उच्चायोग ने छात्रों से जरूरत पड़ने पर मिशन में शरण लेने को कहा। राजनयिक मिशन को कभी भी ऐसा करते नहीं देखा गया है। पाकिस्तान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को सत्ता में लाना चाहता है। आईएसआई को लगता है कि आवामी लीग की सरकार को भारत का समर्थन हासिल है। इसलिए वह उसे हटाना चाहता है ताकि पड़ोस के इस हिस्से में उपद्रव पैदा कर सके। इसके माध्यम से उन्हें भारत में सभी तरह की गतिविधियों के लिए सीमाओं पर प्रवेश के लिए कई अवसर मिल जाएंगे। सूत्रों का यहां तक दावा है कि आईएसआई वही हथकंडा अपना रही है, जो वह कश्मीर में इस्तेमाल कर चुकी है। उन्होंने बताया, वे अराजकता, हत्या और आतंकवाद को भड़काते हैं, ताकि दुनिया की नजरें उन पर पड़े। बहरहाल भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती वहां रह रहे हिन्दुओं को बचाने व हिन्दू मंदिरों को बचाने की है। इसके लिए भारत सीमा पर लगातार अपनी नजरें रखे हुए हैं।

सामयिक

शाहीन सबा

भारतीयता का अर्थ गौरवशाली जड़ों से जुड़ाव

गत 26 जुलाई को असम के चराइदेव स्थित अहोम साम्राज्य के 'मोइदम' को विश्व धरोहर की सूची में शामिल कर लिया गया। यह संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा सूचीबद्ध भारत का 43वां, तो देश में पूर्वोत्तर का प्रथम 'विश्व धरोहर स्थल' है। यह साम्राज्य असम में 13वीं से 19वीं शताब्दी के आरंभ तक वजूद में रहा। क्या सुधी पाठक अहोम साम्राज्य के इतिहास को जानते है? यह विडंबना है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में दिल्ली सल्तनत (320 वर्ष), मुगल साम्राज्य क्रूर औरंगजेब की मौत तक (181 वर्ष) और ब्रितानी राज (190 वर्ष) का उल्लेख तो है, परंतु अहोम साम्राज्य का कार्यकाल 600 वर्षों से अधिक समय होने के बाद भी भारतीय पाठ्यक्रम से नदारद है। क्यों?

साधारण व्यक्तियों की तरह देश और समाज भी अपने अस्तित्व के प्रति 'स्मृतिलोप' रूपी रोग का शिकार होकर और बिना किसी दर्द को महसूस किए समाप्त हो जाता है। आठवीं शताब्दी से भारत में इस्लामी आक्रांताओं (कासिम, गौरी, गजनवी, खिलजी, बाबर, टीपू सुल्तान सहित) के हमलों और मजहबी उन्माद के बाद वर्ष 1757 में रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में कंपनी सेना ने सिराजुद्दौला को हराकर ब्रिटिश राजकाज स्थापित किया था। इस्लामी कालखंड में भारतीय अस्मिता के प्रतीकों को जमींदोज किया गया, तो तलवार के बल पर हिंदू-बौद्ध-जैन-सिखों का जबरन मतांतरण। परंतु स्थानीय बाशिंदों ने कभी भी इस्लामी आक्रमणकारियों को खुद से श्रेष्ठ नहीं समझा और वे अपनी सांस्कृतिक पहचान-परंपराओं के प्रति गौरवान्वित रहे।

अंग्रेज होशियार और चालाक थे। उन्होंने स्थानीय भारतीयों को न केवल शारीरिक, बल्कि उन्हें उनकी मूल जड़ों से काटकर मानसिक तौर पर भी अपना गुलाम बनाना शुरू किया। जब वामपंथियों और जिहादियों

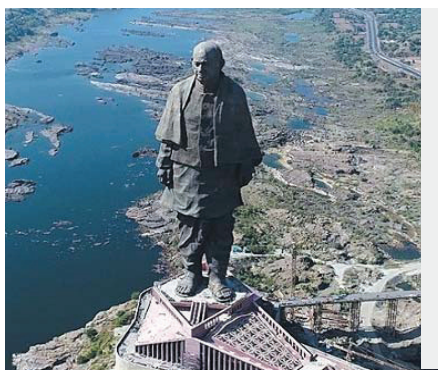

> 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की नृशंस हत्या और 15 दिसंबर 1950 को सरदार पटेल के निधन पश्चात इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर रोक लग गई और उस पर 'सांप्रदायिकता' का मुलम्मा चढ़ा दिया गया।

की मदद से भारत को तकसीम करके ब्रितानी 1947 के बाद चले गए, तब तक वे भारत के सामूहिक मानस को क्षीण कर चुके थे। यह स्थिति तुरंत प्रभाव से बदलनी चाहिए थी और इसकी शुरुआत सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ प्रारंभ भी हुई। परंतु 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की नृशंस हत्या और 15 दिसंबर 1950 को सरदार पटेल के निधन पश्चात इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर रोक लग गई और उस पर 'सांप्रदायिकता' का मुलम्मा चढ़ा दिया गया। ऐसा करने वालों में सबसे ऊपर स्वतंत्र और खंडित भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे, जो अन्य 'भारतीयों' की भांति ब्रितानियों के 'स्मृतिलोप अभियान' का शिकार रहे। पं.नेहरू मार्क्सवाद से बहुत प्रभावित थे और वे लॉर्ड थॉमस बैबिंगटन मैकॉले द्वारा स्थापित उस शिक्षण प्रणाली (1835-36) के अव्वल दर्जे वाले उत्पाद थे, जिसमें 'रक्त-रंग से भारतीयों' को 'पसंद-नापसंद, विश्वास, नैतिकता और बुद्धि' से अंग्रेज बनाने की नीति थी। विभाजन के बाद वामपंथियों ने मैकॉले-मानसपुत्रों के साथ मिलकर अपनी भारत-हिंदू विरोधी मानसिकता के तहत देश के वास्तविक इतिहास को और तहत-नहस कर दिया। दशकों बाद विशेषकर वर्ष 2014 के बाद इस स्थिति में स्वागत योग्य और चरणबद्ध वांछनीय सुधार हो रहा है।

हाल ही में राष्ट्रपति भवन स्थित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम 95 साल बाद बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' किया गया है। इससे पहले गत वर्षों में नए संसद भवन में प्राचीन चोल साम्राज्य के प्रतीक 'सेंगोल' (राजदंड) की स्थापना, काशी विश्वनाथ धाम का 350 वर्ष पश्चात विस्तारीकरण-पुनरोद्धार, न्यायिक निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण, धारा 370-35ए का संवैधानिक क्षरण और प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गोविंदसिंह साहिबजी के पुत्रों- साहिबजादे बाबा जोरावरसिंह और बाबा फतेहसिंह के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' के साथ प्रत्येक 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने आदि की घोषणा की गई थी।

इसी कड़ी में अहोम 'मोइदम' का यूनेस्को की 'विश्व धरोहर सूची' में शामिल होना अतुलनीय है। यह पिरामिड सरीखी अनूठी टीलेनुमा संरचना हैं, जिनका इस्तेमाल छह सदियों तक ताई-अहोम वंश द्वारा अपने राजवंश के सदस्यों को उनकी प्रिय वस्तुओं के साथ दफनाने के लिए किया जाता था। 'मोइदम' गुंबददार कक्ष (चौ-चाली) होते हैं, जो दो मंजिला होते हैं, जिनमें प्रवेश के लिए मेहराबदार मार्ग होता है और अर्द्धगोलाकार मिट्टी के टीलों के ऊपर ईंटों और मिट्टी की परतें बिछाई जाती हैं। 'मोइदम' दफन पद्धति अभी भी कुछ पुजारी समूहों और चाओ-डांग कबीले (शाही अंगरक्षक) द्वारा प्रचलित है।

मेरा वर्षों से मत रहा है कि सिख पंथ के 9वें गुरु श्री तेगबहादुर साहिबजी के बलिदान (नवंबर 1675) को 'राष्ट्रीय कृतज्ञता दिवस' के रूप में मनाना चाहिए। वे 'हिंद की चादर' यूं ही नहीं कहलाए। गुरु साहिब का बलिदान 'धर्म' की रक्षा के लिए था। उन्होंने जीवनभर उस परंपरा का अनुसरण किया, जो किसी एक क्षेत्र या समुदाय के लिए समर्पित नहीं था। जिनकी हिफाजत करते हुए गुरु साहिब ने सर्वोत्तम बलिदान दिया, वह पंजाब के नहीं, कश्मीर के थे, हिंदू थे। जैसे कश्मीर आज इस्लामी आतंकवाद का शिकार है, ठीक उसी तरह के मजहबी संकट से गुरु साहिब भी दो-चार थे। जब कश्मीर में जिहादी दंश झेल रहे हिंदुओं की फरियाद लेकर गुरु साहिब क्रूर औरंगेजब के पास पहुंचे, तब उन्हें इस्लाम स्वीकार करने या मौत चुनने का विकल्प दिया गया। गुरु साहिब ने अपने तीनों अनुयायियों की नृशंस हत्या के बाद भी दृढ़ होकर अपना शीश कटाना स्वीकार किया। इस घटना का वर्णन 'बचित्तर नाटक' में श्री गुरु गोविंदसिंहजी ने कुछ इस प्रकार किया था- 'तिलक जंजू राखा प्रभ ताका... सीसु दीआ परु सी न उचरी॥ धरम हेत साका जिनि कीआ॥ सीसु दीआ परु सिररु न दीआ॥' अर्थात- हिंदुओं के तिलक और जनेऊ की रक्षा हेतु गुरु तेगबहादुरजी ने अपने शीश का त्याग कर दिया, किंतु धर्म नहीं छोड़ा।

यह विडंबना है कि जिस पवित्र सिख गुरु परंपरा के चलते महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) के कालखंड तक हिंदू-सिख के संबंध नाखून और मांस जैसे थे, उसे भी ब्रितानियों ने मैक्स आर्थर मैकॉलीफ के माध्यम से चीरने का प्रयास किया था। यह घाव अभी पूरी तरह भरा नहीं है। इसका पूर्ण इलाज तभी संभव है, जब हर भारतीय सभी सिख गुरुओं के जीवन को जाने, समझें और उनके द्वारा स्थापित जीवन मूल्यों को अंगीकार करने का प्रयास करें।

राजनीति

डॉ बचनसिंह सिकरवार

अयोध्या प्रकरण पर दलितों के पैरोकार चुप क्यों?

गत दिनों अयोध्या में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष और यहां के सांसद का खासमखास मोईद खान और उसके नौकर राजू खान द्वारा बेकरी में नौकरी का झांसा देकर हिन्दू अति पिछड़ी जाति की 12 वर्षीय बालिका से कई माह से दुष्कर्म कर गर्भवती करना और उसका वीडियो बनाकर इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी देकर उसे चुप रहने को धमकाने जैसे घृणित तथा निन्दनीय आरोप में गिरफ्तारी पर इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, उनकी सांसद पत्नी डिम्पल यादव,राज्यसभा की सांसद जया बच्चन समेत अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद की खामोशी ने उनके असली चेहरे को एक बार फिर बेपर्दा कर दिया है,जो वर्तमान में खुद को देश में पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों (पीडीए) का सबसे बड़े हिमायती होने के दावा करते फिर रहे हैं। इससे भी निन्दनीय तथ्य यह है कि जिन्हें सपा भगवान के श्रीराम के बजाय अयोध्या का अवधेश बता और सिद्ध करती आ रही है, जो स्वयं दलित/पासी जाति के हैं। उन्होंने सबकुछ जानते हुए भी इस घटना को लेकर बिना दुःख व्यक्त किए न केवल अनभिज्ञता प्रकट की, बल्कि उनके घटना की निन्दा तक नहीं की। यह उनकी संवेदनहीनता का स्पष्ट प्रमाण/परिचायक है। इतना ही नहीं, अवधेश प्रसाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ पर तंज कसने के साथ-साथ पत्रकार के हिन्दी में किए प्रश्नों का अंग्रेजी में देकर यह जताने का पाखण्डपूर्ण प्रयास किया,वे दूसरों से विदेशी भाषा के ज्ञान के मामले में कम नहीं हैं। उनके कथन का मिथ्या होना इस तथ्य से स्पष्ट है कि संचार क्रान्ति के युग में किसी सांसद को अपने क्षेत्र में दो दिन तक बड़े पैमाने पर हिन्दू संगठनों

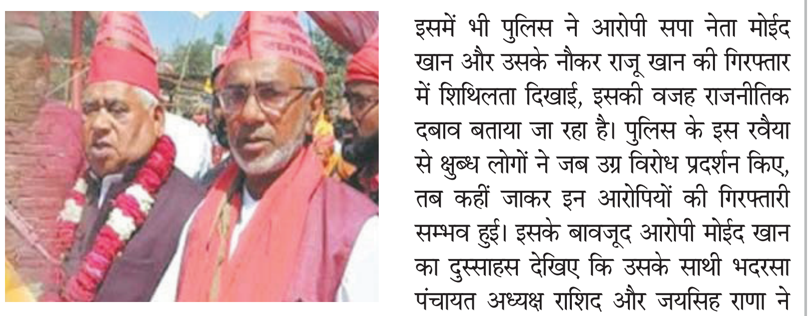

के विरोध -प्रदर्शन होने पर घटना की जानकारी न हो। उनके इस व्यवहार को अमानवीय/ अमानुषिक कहना अनुचित न होगा। सच्चाई यह है कि ऐसा व्यक्ति किसी भी दशा में जनप्रतिनिधि होने के योग्य के नहीं हो सकता, किन्तु अन्ध जातिवाद/मजहबी कट्टता के चलते ये लोग बार-बार आसानी से चुनाव जीत कर विधानसभा/लोकसभा के लिए चुने जाते हैं। ऐसे में अवधेश प्रसाद जैसे व्यक्ति की तुलना भगवान श्रीराम से करने वालों की बुद्धि पर तरस आना स्वाभाविक है। घटना के प्रकाश में आने के बाद भी सपा ने मोईद खान को पार्टी से निलम्बित या निष्कासित नहीं किया है,यह स्थिति उसकी समुदाय विशेष के थोक वोट बैंक की मजबूरी को दिखाती है।

अयोध्या प्रकरण का आरोपित मोईद खान सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी है,जो दबंग किस्म का है, जिसने काफी सरकारी और एक अनुसूचित जाति के व्यक्ति भूमि पर कब्जा कर इमारतें खड़ी की हुई, जिनमें पुलिस की भदरसा चौकी और बेकरी भी चल रही थी। 27 जुलाई को बालिका के स्वजनों को जब उसके गर्भवती होने की जानकारी हुई, तब उन्होंने 30 जुलाई को पुलिस थाना में प्राथमिकी/वाद पंजीकृत कराया। लेकिन हर मामले की तरह इसमें भी पुलिस ने आरोपी सपा नेता मोईद खान और उसके नौकर राजू खान की गिरफ्तार में शिथिलता दिखाई, इसकी वजह राजनीतिक दबाव बताया जा रहा है। पुलिस के इस रवैया से क्षुब्ध लोगों ने जब उग्र विरोध प्रदर्शन किए, तब कहीं जाकर इन आरोपियों की गिरफ्तारी सम्भव हुई। इसके बावजूद आरोपी मोईद खान का दुस्साहस देखिए कि उसके साथी भदरसा पंचायत अध्यक्ष राशिद और जयसिह राणा ने महिला अस्पताल जाकर पीड़ित बालिका तथा उसके परिवारजनों को मोईद खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर धमकाया और उन पर रिपोर्ट वापस लेने का दाबव डाला। इन दोनों के विरुद्ध भी रिपोर्ट दर्ज की गई है। वैसे भी सन् 2012 में यहां हुए साम्प्रदायिक उपद्रव के दौरान हत्या में भी मोईद खान भी आरोपी रहा है। अब मोईद खान पर यह आरोप भी हैं कि वह क्षेत्र की कई युवतियों को धमका कर और लालच देकर शारीरिक शोषण किया है। अब शासन ने इस मामले में शिथिलता बरतने वाले पुराकलन्दर के थानाध्यक्ष रतन शर्मा और भदरसा चौकी प्रभारी अखिलेश गुप्त को निलम्बित कर दिया गया है,जो सरकार का सर्वथा उचित निर्णय है। अयोध्या प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधानसभा में स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसे लोगों को अपने किए की सजा भुगतनी ही होगी। इसके पश्चात् 3 अगस्त को अयोध्या मोईद खान के सरकारी भूमि कब्जे पर बनी इमारतों में से भदरसा पुलिस चौकी को खाली करने के बाद उसे तथा बेकरी को बुलडोजर से ढहा दिया गया। जमीन को मोईद खान के कब्जे से मुक्त करा दिया गया है।

(लेखक स्तंभकार हैं)

पड़ोस

नीरज कुमार दुबे

बांग्लादेश में हिंसा भारत के लिए चिंतनीय

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे।

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जान-माल और लोकतंत्र को भारी नुकसान के बाद आखिरकार शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो ही गया। देश की कमान अब सेना के पास है और उसने अंतरिम सरकार का गठन करवाने की बात कही है। शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए बांग्लादेश में जिस तरह का अभियान चलाया गया उसने दूसरे इस्लामिक देशों के सत्ताधारियों की नींद उड़ा दी है। शेख हसीना का सत्ता से बाहर होना कट्टरपंथियों की बहुत बड़ी जीत है। यह जीत दर्शाती है कि दुनियाभर में हावी होते इस्लामिक कट्टरपंथी अब भारत के बगल में भी प्रभावी हो रहे हैं। दुनिया में कई इस्लामिक देश उदारवादी माने जाते हैं अब उन्हें यह खतरा सता रहा है कि यदि कट्टरपंथी उनके यहां भी हावी हुए तो वर्तमान सत्ताधारियों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उन्हें शासन से बाहर किया जा सकता है।

जहां तक शेख हसीना की बात है तो उनके शासनकाल में पहली बार देश में हालात इस कदर बेकाबू हुए कि उन्हें इस्तीफा देकर अपना देश छोड़कर ही भागना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ इस समय नाराजगी भले चरम पर पहुंच चुकी थी लेकिन जब वह 2009 का आम चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनी थीं तब उनकी लोकप्रियता देखने लायक थी। 2009

के बांग्लादेश चुनाव के नतीजों से सबसे बड़ा झटका शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को नहीं बल्कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को लगा था। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है जिसने 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का पक्ष लिया था। खालिदा जिया की सरकार के दौरान आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में खूब फले-फूले थे और कट्टरपंथियों का वहां बोलबाला हुआ करता था। जमात-ए-इस्लामी के भी उस समय 20 सांसद हुआ करते थे। यही नहीं, खालिदा जिया के जमाने में आतंकी तत्व बांग्लादेश की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने में किया करते थे। उस समय उल्फा तथा कई अन्य उग्रवादी संगठनों के ठिकाने बांग्लादेश में हुआ करते थे। इस संबंध में जब भी भारत सरकार ने तत्कालीन बांग्लादेश सरकार को कार्रवाई के लिए कहा तब-तब खालिदा जिया की सरकार कह देती थी कि भारत की ओर से दी जा रही सूचनाएं गलत हैं।

खालिदा जिया ने सत्ता से हटने के बाद काफी प्रयास किया कि वह दोबारा सरकार में लौट सकें लेकिन जनता ने उन्हें हमेशा खारिज किया। खालिदा जिया धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गईं जिससे ऐसे उत्पाती और आतंकी तत्वों के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा हो गया जो कि खालिदा जिया के शासन की छत्रछाया में पनपते थे। इन तत्वों ने सरकार के विरोध में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया और छात्रों को आगे कर वह अपना उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है वह वहां के लिए तो घातक है ही साथ ही भारत के लिए भी यह मुश्किल बढ़ने वाली बात है। भारत ने हालांकि बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है लेकिन अब देश को चीन और पाकिस्तान की सीमा के अलावा बांग्लादेश सीमा पर भी काफी सावधानी बरतनी होगी। ढाका में दिल्ली समर्थक सरकार का नहीं रहना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है।

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे। शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभालने के बाद कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई थी और भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे संगठनों पर भी अंकुश लगाया था। यही नहीं, शेख हसीना बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को भी अक्सर सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाती रहती थीं और उनके धार्मिक आयोजनों में भी शामिल होती थीं। शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़ने और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाए जाने की आशंकाएं बलवती हो रही हैं। पहले भी वहां हिंदुओं पर वीभत्स हमले होते रहे हैं ऐसे में अब उनके लिए खतरा और बढ़ गया है। **(लेखक स्तंभकार हैं)**

विचारबोध

डॉ रघुवीर चारण

प्रकृति विरुद्ध आचरण आपदाओं के कारक

मानसून के आगमन से ही हिमालय की तलहटी से मैदानी इलाकों तक प्राकृतिक हरीतिमा छाई हुई है वर्षाऋतु सर्व प्राणियों के जीवन में उत्साह व उल्लास का संचार करती है, हमारे देश में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की शुरुआत रिमझिम फुहारों से होकर आसमानी आफत का रूप ले चुकी है। बीतें कुछ दिनों से दक्षिण से उत्तर भारत तक पानी का रौद्र रूप देखने को मिला। मानसूनी बारिश कई प्राकृतिक आपदाओं को जन्म देती है उसमें से एक भूस्खलन भी है। हाल ही में केरल के वायनाड में तीव्र भूस्खलन ने मुंडक्कई, चूरलमाला कस्बों का अस्तित्व मिटा दिया। इस भीषण त्रासदी में सैकड़ों लोग मारे गए कई अभी भी लापता है। मंगलवार की उस अंधेरी रात ने वहां के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया ये विनाशकारी लैण्डस्लाइड अब राष्ट्रीय आपदा बन चुकी है। केरल से केदारनाथ तक भूस्खलन, फटते बादल व नदियों में उफान से आई बाढ़ ने जलवायु परिवर्तन,जैव विविधता और प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय मुद्दों को फिर से ज्वलंत किया हमारे देश में उपरोक्त महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा केवल मानसूनी सीजन में होती है, उसके उपरांत ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं। भारत में जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आज भी तकरार है। सर्वाधिक समृद्ध जैव विविधता वाले राज्य केरल में लगातार हो रहे भूस्खलन चिंता का विषय है। अब जरूरत है इन विनाशकारी आपदाओं के कारणों को तलाशने की जिनकी वजह से प्रकृति रौद्र होती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में किए गए अध्ययन बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन और वन क्षेत्र की हानि वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के दो सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं। भारतीय अंतरिक्ष विभाग के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र और इसरो की बीते वर्ष जारी भूस्खलन मानचित्र के मुताबिक, भारत के 30 सर्वाधिक भूस्खलन-संभावित जिलों में से 10 केरल में ही थे, और वायनाड इनमें 13वें स्थान पर था। इसी में यह भी कहा गया था कि पश्चिमी घाट का 90 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील है। मानव कई वर्षों से प्रकृति से खिलवाड़ करता आ रहा है। पर्यावरण संवेदनशील पश्चिमी घाट के इस भू-भाग पर पेड़ों की कटाई,अवैध खनन,पर्यटन और विकास के नाम पर इमारतों का निर्माण जैसी मानवीय गतिविधियों को बढ़ावा मिला। वायनाड में घटते वन क्षेत्र पर 2022 के एक अध्ययन से पता चलता है कि बीते सात दशक में जिले के 62 फीसदी वन गायब हो गए तथा लगातार खनन से पहाड़ों में अस्थिरता आई है जिसके नतीजे हमारे सामने हैं। अब इन प्राकृतिक आपदाओं को मानव जनित आपदा कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इक्कीसवीं सदी में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दा बना हुआ है। धरती का बढ़ता तापमान, पिघलते ग्लेशियर,भूजल में कमी, बाढ़ व सूखे की बढ़ती आवृति,स्वास्थ्य संबंधी विकार और वर्षा का बदलता पैटर्न जलवायु परिवर्तन की देन है पिछलें कुछ वर्षों में बारिश के असमान वितरण अर्थात् अचानक भारी वर्षा में बढ़ोतरी होने से मानसूनी त्रासदियां बढ़ती जा रही है अब समय है जलवायु में हो रहे बदलाव पर कार्य करने का। वर्ष 2011 में मशहूर पर्यावरणविद् माधवन गाडगिल की रिपोर्ट ने पश्चिमी घाट को पर्यावरण के प्रति अतिसंवेदनशील बताया था और इस क्षेत्र में इंसानी गतिविधियों पर रोक की सिफारिश की इसके बावजूद तत्कालीन सरकारों द्वारा वोट बैंक के नाम पर इन चेतावनियों को नजरांदाज किया गया। आखिर समस्या का समाधान यही है कि इन संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में अध्ययन को बढ़ावा मिलना चाहिए। **(लेखक चिकित्सा विज्ञान में शोधार्थी हैं)**

जनमानस

युद्ध विनाश का प्रतीक

दुनिया में जिस तरह परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ती जा रही है, उससे यह डर हमेशा बना रहता है कि कहीं दुनिया फिर उस मुहाने पर न जा पहुंचे, जिससे जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहर बर्बाद हो गए थे। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा लंबा युद्ध इस बात का गवाह है कि युद्ध किसी भी समस्या का हल नहीं सिवाय बर्बादी के। युद्ध विनाश का प्रतीक है, इसके परिणाम सदैव ही मानव समाज के लिए अहितकारी रहा है। मगर मानव सभ्यता ने दो विश्व युद्धों से सबक नहीं सिखा।

- साजिद अली
76/ए चंदन नगर इंदौर

कोचिंग पर हो निगरानी

दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अचानक 3 मिनट में ही इतना पानी भर गया कि आईएएस की तैयारी कर रहे सभी विद्यार्थी वहां से निकल नहीं पाए, इस कारण दो छात्राओं और एक छात्र की डूबने से दुखद मृत्यु हो गई। सरकार ने प्रत्येक के परिजनों को 10-10 लाख मुआवजा देने की घोषणा की है। प्रशासन द्वारा लापरवाह कोचिंग सेंटर पर भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना घटने के बाद सरकारी अमला जागा और बेसमेंट में चल रहे अन्य कोचिंग सेंटर्स पर उचित कार्रवाई की।

- शकुंतला नेनावा, इंदौर

पदकतालिका

स्थान देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल योग
1. अमेरिका	21	30	28	79
2. चीन	21	18	14	52
3. फ्रांस	13	16	19	48
4. ऑस्ट्रेलिया	13	12	8	33
5. ग्रेट ब्रिटेन	12	13	17	42
60. भारत	0	0	3	3

सार संक्षेप

अंतिम का मुकाबला जेनेप येटगिल से

पेरिस : भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल का आज पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में तुर्की की जेनेप येटगिल से मुकाबला होगा। चौथी वरीयता प्राप्त 19 वर्षीय पंघाल पेरिस में सबसे कम उम्र के भारतीय पहलवान हैं। वह दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता हैं। अगर पंघाल मैच जीतती हैं तो क्वार्टर फाइनल में उसका सामना जर्मनी की अन्निका वेंडल या यूनान की पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया प्रेवोलाराकी से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त इक्वाडोर की लूसिया येपेज संभावित सेमीफाइनलिस्ट हो सकती हैं। जापान की अकारी फुजिनामी का लगातार सौ से अधिक मैचों में अजेय प्रदर्शन रहा है, ड्रा के दूसरे भाग में हैं। वह दो बार की विश्व चैंपियन, एशियाई खेलों 2022 की स्वर्ण पदक विजेता और दो बार की एशियन चैंपियन भी हैं। चीन से टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता पैंग कियानयू भी पेरिस 2024 के लिए महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती ड्रा में फुजिनामी के साथ शामिल हैं।

बजरंग ने फोगाट की तारीफ की

नई दिल्ली : भारतीय पहलवान एवं ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने पेरिस ओलंपिक में कुश्ती स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली महिला पहलवान विनेश फोगाट की जमकर तारीफ की है। पूनिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत की वो शेरनी जिसने बैक टू बैक मैच में चार बार की विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को हराया, उसके बाद क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन को हराया। इस लड़की ने कमाल कर दिया। उन्होंने कहा मगर एक बात बताऊं, यह लड़की अपने देश में लातों से कुचली गई थी, यह लड़की अपने देश में सड़कों पर घसीटी गई थी, यह लड़की दुनिया जीतने वाली है मगर इस देश में सिस्टम से हार गई थी। उल्लेखनीय है कि फोगाट ने महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में जापान की युई सुसाकी को हराया उसके बाद क्वार्टर फाइनल मुकाबले में यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।

नीरज ने की विनेश की तारीफ

पेरिस : भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने महिला पहलवान विनेश फोगाट की जीत पर उनकी तारीफ की है। नीरज ने अपने थ्रो के बाद पेरिस में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि यह असाधारण जीत है। सुसाकी को हराना अकल्पनीय है। ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने विनेश को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने जो कुछ भी झेला है उसके बाद उसने जो प्रयास किया है मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूं कि वह पदक जीते। उल्लेखनीय है कि पेरिस ओलंपिक में नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक में स्पर्धा के फाइनल में और विनेश ने महिला कुश्ती के सेमीफाइनल में जगह बनायी। विनेश ने अपने पहले राउंड में टोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन युई सुसाकी को हराया।

नदीम ने नीरज को दी शुभकामनाएं

पेरिस : पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम ने भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को फाइनल के लिए शुभकामनाएं दी है। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वालों में 12 एथलीटों में नीरज चोपड़ा और अरशद शामिल है। चोपड़ा और नदीम ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है और मैदान पर बेहद प्रतिस्पर्धी भी रहे हैं। नदीम ने हमेशा की तरह नीरज को गुरुवार के फाइनल मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। नदीम ने कहा कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रत्येक एथलीट का लक्ष्य अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रयास करना और प्रदर्शन करना रहता है। मैं नीरज को शुभकामनाएं देता हूं। वह और मैं दोनों अपने-अपने देशों के लिए अच्छा प्रदर्शन करें।

नीरज चोपड़ा फाइनल में

चोपड़ा ने 89.34 मीटर के थ्रो से फाइनल में बनाई जगह

● पेरिस,

भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के भाला फेंक के क्वालिफिकेशन राउंड में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.34 मीटर थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली है। वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स भी ग्रुप बी से फाइनल में जगह बनाने वाले तीसरे एथलीट रहे।

दो बार के विश्व चैंपियन पीटर्स ने स्टेड डी फ्रांस में सीजन का सर्वश्रेष्ठ 88.63 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंका और अरशद नदीम से आगे लेकिन नीरज चोपड़ा से पीछे रहे। अब तक कुल सात एथलीटों ने 84.00 मीटर के क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार करते हुए गुरुवार के पदक स्पर्धा में अपनी जगह पक्की कर ली है। नीरज चोपड़ा के प्रतिद्वंद्वियों में से एक पाकिस्तान के अरशद नदीम भी स्टेड डी फ्रांस में पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में पहुंच गए। क्वालिफिकेशन राउंड के ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहते हुए नदीम ने अपने पहले प्रयास में 86.59 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और आसानी से क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार करते हुए मेडल राउंड में जगह बनाई। अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ वर्षों में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी है जिसमें भारतीय भाला फेंक एथलीट हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 9-0 से आगे हैं। हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में नदीम का 90.18 मीटर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चोपड़ा के 89.94 मीटर के शीर्ष प्रयास से आगे है। यहां हुए मुकाबले में चोपड़ा ने पहले प्रयास पुरुषों की

भाला फेंक स्पर्धा में अपना अभी तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.34 मीटर दर्ज किया। वहीं जर्मन एथलीट अपने तीन प्रयासों के बावजूद 85.64 मीटर की दूरी ही दर्ज कर सके। इस बीच पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 85.16 मीटर के दूसरे प्रयास के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। इससे पहले भारतीय एथलीट किशोर जेना 80.73 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक क्वालिफिकेशन स्पर्धा के ग्रुप ए में आठवें स्थान पर रहे। स्टेड डी फ्रांस में हुए मुकाबले में जेना का सर्वश्रेष्ठ थ्रो पहले प्रयास में आया। हालांकि वह दूसरे प्रयास में एक वैध प्रयास दर्ज करने में असफल रहे और तीसरे में केवल 80.21 मीटर का थ्रो ही कर सके। पेरिस ओलंपिक में फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय भाला फेंक एथलीटों को ओवरऑल क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग (ग्रुप ए और ग्रुप बी सहित) में कम से कम 12 सर्वश्रेष्ठ एथलीटों के बीच रैंक करना होगा। इस बीच फिनलैंड के टोनी केरेनन 85.27 मीटर के प्रयास के साथ क्वालिफिकेशन मार्क को पार करने वाले चौथे एथलीट बन गए, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ है और उन्होंने फाइनल में जगह बनाई। उल्लेखनीय है कि पुरुषों की भाला फेंक फाइनल में जगह बनाने के लिए एथलीटों को 83.50 मीटर की दूरी को पार करना था। केन्या के जूलियस येगो ने पुरुषों की भाला फेंक फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 85.97 मीटर का थ्रो दर्ज किया। एक पूर्व विश्व चैंपियन, येगो फाइनल में जूलियन वेबर और जैकब वाडलेज्च के साथ शामिल हो गए। इन सभी ने स्टेड डी फ्रांस में हुई स्पर्धा में 84.00 मीटर के क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड को पार किया। येगो ने अपने पहले दो प्रयासों में 78.84 मीटर और 80.76 मीटर की दूरी तय की थी। वहीं, जूलियन वेबर ने 87.76 मीटर का थ्रो दर्ज किया।

पहलवान विनेश फोगाट सोने के करीब

● पेरिस,

भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट 50 किग्रा वेट कैटेगरी के फाइनल में पहुंच चुकी हैं। अब वे आज यानी बुधवार को रात 10 बजे के बाद गोल्ड के लिए दांव लगाएंगी। फाइनल में विनेश फोगाट ने क्यूबा की पहलवान गुजमान लोपेजी को हराया। अपनी कैटेगरी के पहले मैच में उनका सामना ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और वर्ल्ड चैंपियन जापान की युई सुसाकी से हुआ था। विनेश ने सुसाकी को 3-2 से हराया। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक खेलों में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल क्वार्टर फाइनल मैच में यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। यहां हुए मुकाबले में फोगाट ने लिवाच को 7-5 से हराया। भारतीय पहलवान अपने तीसरे ओलंपिक में पदक पक्का करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। फोगाट ने मैच के पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने मजबूत वापसी की लेकिन फोगाट ने अपनी चुनौती बरकरार रखी और यूक्रेनी पहलवान को हरा दिया। इससे पहले फोगाट ने प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हराया था। इससे पहले फोगाट ने महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में जापान की टोक्यो 2020 चैंपियन युई सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

फ्रांस के पेरिस में चल रहे पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स के महिलाओं की 1500 मीटर राउंड 1 के दौरान प्रतिस्पर्धा करती ऑस्ट्रेलिया की जेसिका हल (बाएं) और केन्या की नेली चेपचिरचिर।

फ्रांस के पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में महिलाओं की 3 गुणा 3 बास्केटबॉल के पदक समारोह के दौरान स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी टीम के सदस्य।

भारतीय महिला टीम का क्वार्टर फाइनल में आज जर्मनी से मुकाबला

● पेरिस,

भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का आज पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल मैच में जर्मनी से मुकाबला होगा। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा की दो जीत की बदौलत 11वीं वरीयता प्राप्त भारत ने प्री क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त रोमानिया को 3-2 से हरा दिया था। पेरिस 2024 में पांचवीं वरीयता प्राप्त जर्मनी ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में अमेरिका को हराया।

भारत बनाम जर्मनी महिला टीम क्वार्टर फाइनल मैच सात अगस्त को साउथ पेरिस एरिना में खेला जाएगा। इस मैच के विजेताओं का सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जापान या 13वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड से मुकाबला होगा। इससे पहले शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम को पेरिस ओलंपिक में मंगलवार को हुये राउंड ऑफ 16 मुकाबले में चीन से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा है। यहां हुए मुकाबले में देसाई और ठक्कर युगल प्रतियोगिता का पहला मैच मा लोंग और वांग चुकिन के खिलाफ सीधे गेम (11-2, 11-3, 11-7) में हार गए। इसके बाद शरत कमल पेरिस

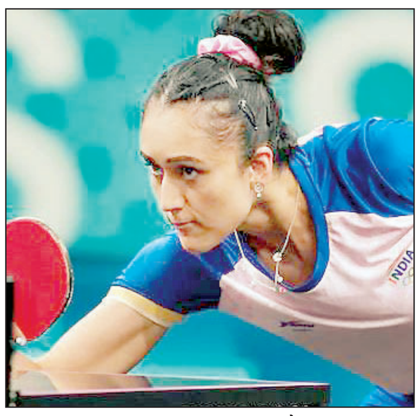

2024 एकल स्वर्ण पदक विजेता फैन जेंडॉन्ग के खिलाफ शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद, चीनी पैडलर ने दूसरा मैच 9-11, 11-7, 11-7, 11-5 से जीत लिया। तीसरे गेम में, ठक्कर का वांग चुकिन से कोई मुकाबला नहीं था। वांग चुकिन ने 11-9, 11-6, 11-9 से जीत हासिल की। इस हार से भारतीय पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ियों का पेरिस ओलंपिक में अभियान समाप्त हो गया।

नीदरलैंड पुरुष हॉकी के फाइनल में

पहले सेमीफाइनल में स्पेन को 4-0 से रौंदा

पेरिस, वार्ता : नीदरलैंड मंगलवार को पेरिस ओलंपिक खेलों के पुरुष हॉकी पहले सेमीफाइनल में मुकाबले स्पेन को हराकर फाइनल में पहुंच गया है। यहां खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड ने स्पेन को 4-0 से हराकर प्रतियोगिता में एक पदक पक्का कर लिया है। यह ग्रीष्मकालीन खेलों में नीदरलैंड का 10वां पदक है। नीदरलैंड फाइनल मुकाबले में गुरुवार को भारत और जर्मनी के बीच सेमीफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेगा। नीदरलैंड की ओर से जिप जानसेन ने 12वें मिनट में पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद थियरी ब्रिंकमैन ने 20वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। थिज्स वैन डैम ने 32वें मिनट और डुको टेलजेनकैंप ने 50वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। क्वार्टर फाइनल मैच में बेल्जियम को हराने वाला स्पेन अब कांस्य पदक के लिए खेलेगा। वहीं भारतीय पुरुष

हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास मंगलवार को पेरिस ओलंपिक की हॉकी स्पर्धा में जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच नहीं खेलेंगे। ब्रिटेन के खिलाफ जीत के बाद एक मैच का प्रतिबंध लगने के बाद भारतीय डिफेंडर अमित के सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं लेंगे। एफआईएच ने कहा गया है,कि चार अगस्त को भारत बनाम ब्रिटेन मैच के दौरान एफआईएच कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन के लिए अमित रोहिदास को एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था। जिसके कारण भारत केवल 15 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा। ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में रोहिदास ने विल कैलनन के चेहरे पर हॉकी स्टिक घुमा दी और वीडियो रेफरल के बाद उन्हें रेड कार्ड दिखाते हुए मैदान के बाहर भेज दिया गया था।

वनडे सीरीज बचाने उतरेगा भारत

तीसरा वनडे आज, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है श्रीलंका

● कोलंबो,

भारत और श्रीलंका के बीच तीसरा और अंतिम वनडे मुकाबला आज खेला जाएगा। पहले दो मैच में बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन से आहत भारतीय क्रिकेट टीम के पास सीरीज बचाने का यह आखिरी मौका है।

भारत को अगर श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने से बचना है तो उसको आज होने वाले तीसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा। भारत को श्रीलंका के खिलाफ आखरी बार वनडे सीरीज में हार का सामना 1997 में करना पड़ा था। अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने तब सचिन तेंदुलकर की भारतीय टीम को तीनों मैच में हराया था। भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 वनडे सीरीज हो चुकी है और इन सभी में भारतीय टीम विजयी रही। हालांकि, टीम इंडिया तीसरा वनडे जीतने के बावजूद सीरीज नहीं जीत पाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि पहला मैच टाई छूटने के बाद दूसरे मैच में उसे 32 रन से हार का सामना करना पड़ा था। प्रेमदासा की पिच पर स्पिनरों को बहुत ज्यादा मदद मिलती है। हालांकि, पारी की शुरुआत में तेज गेंदबाजों प्रभावी हो सकते हैं। पिछले 5 सालों में इस मैदान पर 82% टीमों ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। भारत और श्रीलंका के बीच पहले वनडे में 18 विकेटों में से 13 विकेट स्पिनरों ने लिए जो दर्शाता है कि इस पिच पर स्पिन गेंदबाजी का बोलबाला है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख कार्यकारी के पद छोड़ेंगे निक हॉकली

सिडनी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकली ने घोषणा की है कि पांच साल पद पर बने रहने के बाद वह मार्च 2025 में अपना पद छोड़ देंगे। हॉकली ने कोरोना महामारी के दौरान ऐसे समय में अंतिरम रूप से पद संभाला था जब सीए कई आंतरिक संकटों से जूझ रहा था। मई 2021 में उन्हें स्थायी पदभार मिला था और उन्होंने कोरोना महामारी और अन्य प्रतिबंधों के बीच भारत दौरे का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सीरीज की मेजबानी से सीए को आर्थिक बल भी मिला। हॉकली ने कहा कि पद छोड़ने का निर्णय, एक कठिन निर्णय था, लेकिन पांच वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद यह सही समय होगा कि मैं आगे बढ़ूं और कोई नई चुनौती लूं। मैं अगले साल मार्च में हटूंगा, तब तक बोर्ड के पास समय भी रहेगा कि वे अपना नया सीईओ ढूंढ लें। हॉकली का अंतिम असाइनमेंट फिर से भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा।

15 अगस्त से होगी प्रो कबड्डी लीग के लिए सितारों की नीलामी

● मुंबई,

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। नीलामी 15 और 16 अगस्त को मुंबई में होगी। प्रत्येक फ्रैंचाइजी ने खिलाड़ियों के एक मजबूत कोर ग्रुप को बरकरार रखा है और अब वे सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन की मदद से एक मजबूत टीम का निर्माण करना चाह रही है। दबंग दिल्ली के.सी. ने आशु मलिक और नवीन कुमार की अपनी रेडर जोड़ी को अपने साथ बरकरार रखा है। इस बीच, सीजन 10 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले स्टार रेडर और कप्तान असलम इनामदार को पुनेरी पल्टन ने बरकरार रखा है। इसके अलावा, जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को बरकरार रखा है। देशवाल पिछले सीजन में टीम के कप्तान भी थे। कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में बरकरार रखा गया, जिनमें से 22 एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स (ईआरपी) श्रेणी से, 26 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स (आरवाईपी) श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी (ईएनवाईपी) से हैं। जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया उनमें पवन सेहरावत, परदीप नरवाल, मनिंदर सिंह, फजल अत्राचली और मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी 15-16 अगस्त को मुंबई में होने वाले पीकेएल सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन में नीलामी के लिए जाएंगे। घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को पीकेएल सीजन 11 प्लेयर नीलामी में चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। ये श्रेणियां- ए, बी, सी और डी होंगी। खिलाड़ियों को प्रत्येक श्रेणी में 'ऑल-राउंडर', 'डिफेंडर' और 'रेडर' के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)